श्रावण कृष्ण पक्ष-5, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 29 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
03 अगस्त 2026
सोमवार

आज का मौसम
26.3 अधिकतम
22.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

उपचुनाव 2026

नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर भारतीय जनता पार्टी ने संघ से जुड़े आशुतोष तिवारी को चुना, कांग्रेस के घनश्याम सिंह से पिछड़ गए

बिहार के बांकीपुर में जनता ने भाजपा को नकार कर जनसुराज के प्रशांत किशोर को तरजीह दी

गुजरात के मांजलपुर से भारतीय जनता पार्टी के सतीष पटेल बड़ी जीत की ओर बढ़ रहे हैं

दतिया में कांग्रेस को निर्णायक बढ़त

आठवें राउंड की गिनती के बाद 6,600 वोट से आगे

दतिया / भोपाल, दोपहर मेट्रो

विधानसभा की तीन सीटों के लिए हुए उपचनाव में से एक गुजरात की सीट पर भारतीय जनता पार्टी की जीत लगभग तय मानी जा रही है जबकि दो हाई प्रोफ़ाइल सीटों मध्यप्रदेश की दतिया और बिहार की बांकीपुर में कांग्रेस निर्णायक बढ़त ले रही है। आठवें राउंड के बाद दतिया में कांग्रेस के घनश्याम सिंह भाजपा के आशुतोष तिवारी से करीब 6500 वोटों से आगे चल रहे हैं। वहीं बांकीपर में लोगों के भाजपा को नकारकर काबिलियत को तरजीह दी और जन सुराज के प्रशांत किशोर भाजपा के नीरज कुमार से करीब 7 हजार से ज्यादा वोटों से आगे हैं जो निर्णायक माना जा रहा है। दतिया में चूंकि मुकाबला कांटे का देखा गया और हर राउंड में स्थिति बदलती रही इसलिए आठ राउंड के बाद बढ़त से कांग्रेस खेमे में उत्साह है।

दतिया सीट पर पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर संघ से जुड़े आशुतोष तिवारी को मैदान में उतारा गया था। नरोत्तम मिश्रा पिछले चुनाव कांग्रेस के राजेंद्र भारती से करीब 7500 वोटों से हार गए थे। एक मामले में सजा होने के बाद राजेंद्र भर्ती की विधायक चली गई थी इसलिए यह उपचुनाव हुआ। नरोत्तम के टिकट कटने के अप्रत्याशित फैसले किए बाद उनके समर्थकों ने भारी हंगामा किया था और मामला देश भर में चर्चा का विषय बन गया था। मिश्रा ने लगातार दावा किया कि उनके कार्यकर्ताओं की नाराजगी दूर हो गई है लेकिन संभावित नतीजे कुछ और ही कहानी बयान कर रहे हैं। हालांकि दोनों ही दलों ने इस चुनाव को प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाते हुए अपनी पूरी ताकत झोंकी थी।

घनश्याम सिंह

कांग्रेस ने मतों की गिनती के एक दिन पहले ही पिछले विजेता राजेंद्र भारती को पार्टी से निलंबित किया था

प्रशांत किशोर

दतिया उपचुनाव की मतगणना में टी-20 जैसा रोमांच

विश्लेषण
राजेश सिरोठिया

दतिया उपचुनाव में कांटे की लड़ाई के बाद निर्णायक बढ़त लेकर कांग्रेस जीत की ओर बढ़ती दिखाई दे रही है। राजेंद्र भारती के भीतरघात के बावजूद कांग्रेस जीत की ओर है जबकि बीजेपी ने नरोत्तम और उनके समर्थकों को नजर अंदाज करने का खामियाजा भुगता। आजाद समाज पार्टी के दामोदर प्रसाद कांग्रेस की संभावना के लिए खतरा बन रहे थे। बीजेपी ने दामोदर प्रसाद को अपने पाले में मोड़ने की जो रणनीति अपनाई वह उसके किए सेल्फ़गोल साबित हुआ। चुनाव प्रचार के दौरान ही यह आभास होने लगा था कि यहां का मुकाबला किसी टी-20 क्रिकेट मैच से कम रोमांचक नहीं होगा। मतगणना के शुरुआती रुझानों ने भी इसी आकलन को सही साबित किया। कभी कांग्रेस बढ़त बनाती दिखी तो कभी भाजपा आगे निकल गई। लगभग हर राउंड में तस्वीर बदलती रही और समर्थकों की धड़कनें भी उसी रफ्तार से बढ़ती रहीं। दतिया की राजनीतिक तासीर ही ऐसी है कि यहां किसी भी दल को जीत आसानी से नहीं मिलती। 1985 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद चली सहानुभूति लहर में कांग्रेस ने करीब 16 हजार मतों से सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी। इसके बाद यहां की राजनीति लगातार उतार-चढ़ाव और कड़े मुकाबलों की गवाह रही है।

2008 के परिसीमन के बाद डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने दतिया से लगातार तीन चुनाव जीतकर मजबूत जनाधार बनाया। उनकी ताकत लगभग 30 हजार कुशवाहा, 28 हजार ब्राह्मण और बड़ी संख्या में दलित मतदाताओं के समर्थन पर आधारित थी। उन्होंने वर्षों की मेहनत से इन वर्गों के एक बड़े हिस्से को कांग्रेस और बसपा से भाजपा की ओर आकर्षित किया। हालांकि यादव मतदाता पूरी तरह कभी उनके साथ नहीं आए। शहरी क्षेत्र हमेशा उनकी सबसे बड़ी ताकत रहा, जहां विकास कार्यों का उन्हें राजनीतिक लाभ मिलता था।

इस उपचुनाव में भाजपा ने बड़ा दांव खेलते हुए डॉ. मिश्रा का टिकट काटकर संघ की पृष्ठभूमि से आने वाले आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया। पार्टी ने चुनाव प्रचार में डॉ. मिश्रा को प्रमुखता से आगे रखा, लेकिन बूथ प्रबंधन में उनके कई पुराने और अनुभवी कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका से दूर रखा। उनकी जगह अपेक्षाकृत कम अनुभवी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई। यह भाजपा की एक सोची-समझी रणनीति भी थी और एक राजनीतिक जोखिम भी।

दूसरी ओर कांग्रेस ने दतिया राजघराने से जुड़े घनश्याम सिंह पर भरोसा जताया। उन्हें शहरी क्षेत्र में राजघराने की छवि का लाभ मिलता दिखाई दिया, जबकि ग्रामीण इलाकों में भी उनका प्रभाव बना रहा। लेकिन कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती आजाद समाज पार्टी के दामोदर यादव थे। उन्होंने यादव और दलित मतदाताओं में प्रभावी पैठ बनाने का प्रयास किया, जिससे कांग्रेस के संभावित सामाजिक समीकरण पर असर पड़ा। यही कारण रहा कि मतगणना के दौरान हर दौर में बढ़त बदलती रही। कभी भाजपा आगे दिखी तो कभी कांग्रेस ने वापसी की। अंततः दतिया ने एक बार फिर साबित कर दिया कि यहां चुनाव केवल दो दलों के बीच नहीं लड़ा जाता, बल्कि सामाजिक समीकरणों, स्थानीय नेतृत्व, संगठन की क्षमता और प्रत्याशी की व्यक्तिगत स्वीकार्यता का भी उतना ही बड़ा महत्व होता है।

यूपी में सड़कों पर नाव चली

उत्तराखंड में लैंडस्लाइड से हाई-वे बंद, बिहार-झारखंड में बिजली गिरने से 10 मौत

देहरादून, एजेंसी

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में लैंडस्लाइड के कारण यमुनोत्री नेशनल हाईवे कई जगहों पर बंद हो गया है। इसके चलते यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, रुद्रप्रयाग में लगातार बारिश के चलते कई इलाकों में लैंडस्लाइड का खतरा बढ़ गया है।

छत्तीसगढ़ में लगातार बारिश से बिलासपुर-रतनपुर-पेंड्रा मार्ग पर पुल दो हिस्सों में टूट गया। इसी दौरान पुल से गुजर रही एक यात्री बस बीच में फंस गई। पहाड़ी इलाकों में हो रही भारी बारिश से उत्तर प्रदेश में गंगा, घाघरा और शारदा समेत 10 नदियां उफान पर हैं। बिजनौर में गंगा का पानी 6 गांवों में घुस गया है, जिससे सड़कों पर नाव चल रही हैं। वहीं, रविवार को बिहार के बांका और झारखंड में अलग-अलग जगहों पर बिजली गिरने से 10 लोगों की मौत हो गई।

सीआईडी की बड़ी कार्रवाई

जेपीएससी मेधा घोटाले में कई ठिकानों पर छापेमारी

रांची, एजेंसी

झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की ओर से आयोजित विभिन्न परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी को लेकर सीआईडी और रांची पुलिस की ओर से बड़ी कार्रवाई की गई। जांच एजेंसी की अलग-अलग टीमों ने एक साथ रांची, धनबाद, बोकारो, देपघर, गोड्डा और रामगढ़ जिले में समेत 15 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की। सूत्रों के अनुसार, छापेमारी उन लोगों और ठिकानों पर केंद्रित रही, जिनका नाम जांच के दौरान सामने आया है या जिनके परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े होने की आशंका है। कार्रवाई के दौरान कई दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य खंगाले गए।

न्यूज विंडो

टीवी एक्ट्रेस अदिति शर्मा के साथ पति ने की मारपीट, शिकायत दर्ज

मुंबई। टीवी शो अपोलीना- सपनों की उड़ान एक्ट्रेस अदिति शर्मा ने हाल ही में पति और ससुराल वालों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। गोरेगांव पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत में एक्ट्रेस ने पति पर मारपीट, घरेलू हिंसा, चरित्र पर सवाल उठाने जैसे कई आरोप लगाए हैं।

पूर्व मंत्री-भाजपा के वरिष्ठ नेता पारस जैन का निधन

उज्जैन। प्रदेश के पूर्व मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पारस जैन का आज 76 साल की उम्र में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनके निधन की खबर से भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में शोक की लहर है। वे छह बार उज्जैन उत्तर विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे। दोपहर तीन बजे उनके निवास से अंतिम यात्रा निकाली जाएगी।

आज का कार्टून

दिल्ली कोर्ट का 3 साल बाद फैसला

महिला पहलवान यौन शोषण केस में बृजभूषण सिंह बरी

कोर्ट से बरी होने के बाद बृजभूषण सिंह घर पहुंचे, जहां समर्थकों ने उन पर फूल बरसाए।

गोंडा, एजेंसी

दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने आज महिला पहलवानों से जुड़े यौन शोषण मामले में भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह को बरी कर दिया। सुनवाई के दौरान कैसरगंज के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह और भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व सचिव विनोद तोमर कोर्ट में मौजूद रहे।

2 जुलाई 2026 को दोनों पक्षों की दलीलें पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। मामला जनवरी 2023 में सामने आया था। तब से लेकर अब तक कुल 1133 दिनों में 127 सुनवाई हुई। फैसला एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट अश्वनी पंवार ने सुनाया।

बृजभूषण 20 जुलाई 2023 से नियमित जमानत पर थे। 10 मई 2024 को अदालत ने दिल्ली पुलिस की चार्जशीट के आधार पर आरोप तय किए थे, जिसके बाद ट्रायल शुरू हुआ था।

नाबालिग पहलवान ने वापस ले लिए थे आरोप

दरअसल, मई 2023 में सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद पुलिस ने बीजेपी के पूर्व सांसद बृजभूषण के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। 6 खिलाड़ियों ने शिकायत दर्ज कराई थी। एक नाबालिग पहलवान ने बाद में अपनी शिकायत वापस ले ली और बयान बदल दिया था। आरोप तय करने पर सुनवाई के दौरान बृजभूषण सिंह ने कहा था कि मामला 'झूठा और प्रेरित' है।

फैसले के बाद बृजभूषण का पहला बयान भी सामने आया। उन्होंने कहा कि मैंने पहले कहा था कि अगर कोई आरोप साबित हो जाएगा तो मैं फांसी पर लटक जाऊंगा। मेरे लिए खुशी का दिन है। आदेश की कॉपी मिलने के बाद आगे कहूंगा।

ट्रम्प बोले- हम हमला कर सकते हैं, लेकिन लोगों को मारना नहीं चाहते

अमेरिका-ईरान में आज से फिर शुरू होगी बातचीत

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि आज से अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत फिर शुरू होगी। एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि वार्ता मध्यस्थों के जरिए होगी।

ट्रम्प ने कहा, 'हम जब चाहें कार्रवाई कर सकते हैं, लेकिन मैं लोगों को मारना नहीं चाहता। अगर समझौता हो जाता है तो बहुत-सी जानें बच जाएंगी। देखते हैं

बातचीत का क्या नतीजा निकलता है।'

ट्रम्प के मुताबिक, सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरातऔर ईरान के साथ हुई कूटनीतिक बातचीत के बाद उन्होंने ईरान पर प्रस्तावित बड़ा हमला टाल दिया। उन्होंने दावा किया कि बातचीत में होर्मुज स्ट्रेट और ईरान के परमाणु कार्यक्रम जैसे मुद्दों पर भी चर्चा होगी।

हालांकि, ईरान ने ट्रम्प के कई दावों से इनकार किया है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अभी कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ है।

ग्रेड-पे बढ़ाने की मांग

आज से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे पटवारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश पटवारी संघ के प्रांतीय आह्वान पर प्रदेश के सभी जिलों के पटवारी आज से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जा रहे हैं। संघ ने स्पष्ट किया है कि जब तक शासन उनकी वर्षों से लंबित एवं न्यायोचित मांगों पर ठोस और सकारात्मक निर्णय नहीं लेता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। हड़ताल के चलते राजस्व विभाग से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित होने की संभावना है।एमपी ही ऐसा राज्य है जहां सबसे कम ग्रेड पे पटवारियों को मिल रहा है।

फाइल फोटो

पटवारियों का कहना है कि यूपी, हरियाणा, राजस्थान, महाराष्ट्र सात राज्यों में 2800 का ग्रेड पे मिल रहा है जबकि कर्नाटक में 3600 और उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल समेत अन्य राज्यों में 4200 का ग्रेड पे दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश पटवारी संघ के प्रांताध्यक्ष उपेन्द्र बघेल ने बताया कि पटवारियों ने अपनी मांगों को लेकर पहले चरणबद्ध आंदोलन किया।

दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित

चंदा चोरी व छात्रों पर कार्रवाई को लेकर विपक्ष का हंगामा

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही आज फिर स्थगित करनी पड़ी विपक्षी सांसदों ने प्रश्नकाल शुरू होते ही नीट पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर पुलिस कार्रवाई और राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर हंगामा शुरू कर दिया।

विपक्ष ने छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह के सदन आने और उनके बयान की मांग करते हुए नारे लगाए। संसद के मौजूदा सत्र में 8 बिल लिस्ट किए गए हैं। इनमें से वंदे मातरम और पब्लिक एग्जामिनेशन संशोधन बिल (पेपर लीक) दोनों सदनों में पास हो चुके हैं। जन्म-मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) बिल, सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) संशोधन बिल, आयकर (संशोधन) बिल, MSME विकास (संशोधन) बिल, विदेशी अंशदान संशोधन बिल और विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बिल को संसद की मंजूरी मिलनी बाकी है।

बारिश से बदहाल हुई बागसेवनिया की सड़कें, हर कदम पर हादसे का डर

गड्ढों से भरी सड़कें बनीं मुसीबत, क्षेत्रवासियों ने की प्रशासन से सर्वे कराकर तत्काल मरम्मत की मांग

भोपाल. दोपहर मेट्रो

राजधानी के बागसेवनिया क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश ने सड़कों की बदहाल स्थिति को उजागर कर दिया है। इलाके की कई मुख्य और आंतरिक सड़कें गहरे गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं, जिनमें बारिश का पानी भर जाने से वाहन चालकों और राहगीरों के लिए आवागमन मुश्किल हो गया है। जलभराव के कारण सड़क और गड्ढों में अंतर करना कठिन हो गया है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं।

स्थानीय नागरिकों के अनुसार, क्षेत्र की सड़कों की मरम्मत को लेकर कई बार संबंधित विभागों और प्रशासन से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। बारिश के दौरान दोपहिया वाहन चालक सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। गड्ढों में फंसकर कई लोग फिसल चुके हैं और घायल भी हुए हैं। वहीं, स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं के लिए इन रास्तों से गुजरना किसी चुनौती से कम नहीं है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि विकास और आधारभूत सुविधाओं के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। समय पर मरम्मत नहीं होने से समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है और किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। नागरिकों ने नगर निगम और लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि बागसेवनिया क्षेत्र की क्षतिग्रस्त सड़कों का तत्काल सर्वे कराया जाए और गड्ढों की भराई के साथ सड़क मरम्मत का कार्य प्राथमिकता के आधार पर शुरू किया जाए।

कम बारिश ने बढ़ाई चिंता, तीन लाख लोगों की पेयजल व्यवस्था बड़ी झील पर निर्भर

कमजोर मानसून से बढ़ी राजधानी की प्यास बड़े तालाब का जलस्तर 7.10 फीट नीचे आया

भोपाल. दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल की जीवनरेखा माने जाने वाले बड़े तालाब (भोज वेटलैंड) पर इस बार कमजोर मानसून का असर साफ दिखाई दे रहा है। भोपाल और इसके प्रमुख कैचमेंट क्षेत्र सीहोर में सामान्य से कम बारिश होने के कारण तालाब का जलस्तर अपेक्षित गति से नहीं बढ़ पा रहा है। बड़े तालाब का जलस्तर 1659.70 फीट दर्ज किया गया, जबकि इसका फुल टैंक लेवल (एफटीएल) 1666.80 फीट है। इस तरह तालाब अभी भी अपने पूर्ण जलभराव स्तर से 7.10 फीट नीचे बना हुआ है।

20 जुलाई को तालाब का जलस्तर 1659.50 फीट था। इसके बाद कई दौर की बारिश हुई, लेकिन जलस्तर में महज 0.20 फीट की वृद्धि दर्ज की गई। पिछले वर्ष एक अगस्त को तालाब का जलस्तर 1664.30 फीट था, यानी इस बार यह 4.60 फीट कम है। बारिश के आंकड़े भी चिंता बढ़ाने वाले हैं। पिछले साल एक अगस्त तक भोपाल में 26.25 इंच और सीहोर में 25.4 इंच वर्षा हुई थी, जबकि इस वर्ष दो अगस्त तक भोपाल में केवल 18.98 इंच और सीहोर में 20.6 इंच बारिश दर्ज की गई है। बड़ा तालाब पुराने भोपाल, संत हिरदाराम नगर और आसपास के इलाकों के करीब तीन लाख लोगों की पेयजल जरूरतों को पूरा करता है। ऐसे में मानसून के बीच भी जलस्तर का कम रहना भविष्य की जलापूर्ति और जल संरक्षण के लिए चिंता का विषय बन गया है।

बड़े तालाब से कई क्षेत्रों जाता है पानी

भोपाल का बड़ा तालाब सिर्फ एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि शहर की पेयजल व्यवस्था की रीढ़ है। नगर निगम इसी जलाशय से पुराने भोपाल, संत हिरदाराम नगर और आसपास के क्षेत्रों के करीब तीन लाख लोगों को प्रतिदिन पानी उपलब्ध कराता है। इसके अलावा तालाब शहर के भूजल स्तर को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस बार मानसून कमजोर रहने के कारण जलस्तर लगातार चिंता बढ़ा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अगस्त में पर्याप्त बारिश नहीं हुई तो आने वाले महीनों में जल संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ऐसे में जल संरक्षण और पानी के विवेकपूर्ण उपयोग की आवश्यकता और बढ़ गई है।

प्रदेश के भोपाल और सीहोर में कम हुई बारिश

कम बारिश का असर सीधे बड़े तालाब के जलस्तर पर दिखाई दे रहा है। पिछले वर्ष एक अगस्त तक भोपाल में 26.25 इंच और सीहोर में 25.4 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई थी। वहीं इस वर्ष दो अगस्त तक भोपाल में केवल 18.98 इंच और सीहोर में 20.6 इंच वर्षा हुई है। यानी भोपाल में करीब 7.3 इंच और सीहोर में 4.8 इंच कम बारिश दर्ज की गई है। चूंकि बड़े तालाब का अधिकांश कैचमेंट क्षेत्र सीहोर जिले में स्थित है, इसलिए वहां कम बारिश होने से तालाब में पानी की आवक प्रभावित हुई है।

भोपाल समेत कई जिलो में यलो अलर्ट

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार प्रदेश में अगले पांच दिनों तक मौसम का मिजाज लगभग साऐसा ही बना रहेगा। चक्रवाती परिसंचरण और ट्रफ लाइन के प्रभाव से ग्वालियर-चंबल, रीवा और सीधी संभाग में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं भोपाल, इंदौर और उज्जैन संभाग में रुक-रुक कर बारिश का दौर जारी रह सकता है। मौसम विभाग ने सीधी, सिंगरौली, मंडला, डिंडोरी, जबलपुर, उमरिया, शहडोल और अनूपपुर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जबकि भोपाल समेत कई जिलों में येलो अलर्ट घोषित किया गया है।

हमीदिया में कैदी को वीआईपी ट्रीटमेंट पर 2 जेल प्रहरी निलंबित

भोपाल. दोपहर मेट्रो। राजधानी के हमीदिया अस्पताल में भर्ती जालसाजी के आरोपित किशन मोदी को कथित तौर पर वीआईपी सुविधाएं दिए जाने का मामला सामने आने के बाद जेल प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है।

केंद्रीय जेल भोपाल के अधीक्षक ने ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में जेल प्रहरी सुदीप शर्मा और एमके मांझी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जय श्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स (मिल्क मैजिक) के प्रबंध निदेशक किशन मोदी पर दूध में पाम ऑयल मिलाकर करीब 19.69 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है। करीब 600 करोड़ रुपए के कारोबार से जुड़े किशन मोदी को 13 मार्च को गिरफ्तार किया गया था और तब से वह केंद्रीय जेल भोपाल में बंद है। हृदय रोग के उपचार के नाम पर उसे चार जुलाई से हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जांच में सामने आया है कि अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान आरोपित मोबाइल का इस्तेमाल और उसके लिए बाहर से भोजन और पानी बोतल भी लाया जा रहा था।

गुरुपूर्णिमा एवं समर्पण कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न

भोपाल. दोपहर मेट्रो। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की हिमालय बस्ती, नारायण नगर द्वारा आयोजित गुरुपूर्णिमा एवं समर्पण कार्यक्रम नर्मदापुरम रोड स्थित कोरल वुड्स सोसाइटी के कम्युनिटी हॉल में श्रद्धा, अनुशासन और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों और बंधुओं ने भाग लिया तथा भगवा ध्वज के समक्ष गुरु पूजन कर राष्ट्र, समाज और संस्कृति की सेवा के लिए समर्पण का संकल्प लिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने गुरुपूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया

है। उन्होंने बताया, स्वयंसेवकों के लिए भगवा ध्वज गुरु स्वरूप है, जो त्याग, तप, सेवा और राष्ट्रभक्ति की भावना का प्रतीक है तथा समाज और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों के निर्वहन के लिए प्रेरित करता है। कार्यक्रम में उपस्थित स्वयंसेवकों ने संगठन की परंपराओं और संस्कारों को आगे बढ़ाने तथा समाज जीवन में सेवा कार्यों को अधिक गति देने का संकल्प लिया गया।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म और जान से मारने की कोशिश, आरोपी धराया

भोपाल. दोपहर मेट्रो

मिसरोद थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने और बाद में शादी से इनकार करने पर उसकी जान लेने की कोशिश का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, 25 वर्षीय युवती अपनी मां के साथ रहती है। उसकी बड़ी बहन का देवर अक्सर उसके घर आता-जाता था। इसी दौरान दोनों के बीच दोस्ती हुई, जो धीरे-धीरे प्रेम संबंध में बदल गई। आरोप है कि युवक ने युवती को शादी का भरोसा दिलाया और मिसरोद इलाके में किराये के मकान में लिव-इन रिलेशनशिप में रखा। पीड़िता का कहना है कि अक्टूबर 2025 से आरोपी शादी का वादा कर लगातार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा। जब भी युवती शादी की बात करती, आरोपी किसी न किसी बहाने से उसे टाल देता था। लंबे समय तक आश्वासन देने के बाद भी जब आरोपी ने शादी की कोई पहल नहीं की तो युवती ने उस पर दबाव बनाना शुरू किया। पीड़िता के मुताबिक, 30 जुलाई को शादी को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। इसी दौरान आरोपी ने गुस्से में आकर युवती के मुंह में जबरन इल्लीमार कीटनाशक डाल दिया। हालांकि युवती ने तुरंत उल्टी कर दी, जिससे उसकी जान बच गई। घटना के बाद पीड़िता सीधे मिसरोद थाने पहुंची और पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में दुष्कर्म और जान से मारने की कोशिश समेत विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है।

मां की डांट से बचने के लिए रची अपहरण की साजिश दो छात्राओं की कहानी ने 18 घंटे तक पुलिस को दौड़ाया

कटारा हिल्स में कथित अपहरण का मामला निकला झूठा, जांच में सामने आया कि डांट और पिटाई का डर

भोपाल. दोपहर मेट्रो

मां की डांट से बचने के लिए बच्चियों ने अपहरण की कहानी रच दी और उनकी इस झूठी कहानी ने पुलिस को करीब 18 घंटे तक जंगलों और खेतों की खाक छानने पर मजबूर कर दिया। राजधानी के कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित विवेकानंद कॉलोनी में दो छात्राओं के कथित अपहरण का मामला पुलिस जांच में पूरी तरह झूठा साबित हुआ है।

पुलिस के अनुसार, दोनों बच्चियां एक ही स्कूल की छठवीं कक्षा की छात्राएं हैं। शुक्रवार को स्कूल की छुट्टी के बाद वे डांस रिहर्सल के लिए विवेकानंद नगर स्थित एक बच्ची के घर पहुंची थीं। रिहर्सल के बाद दोनों खेलने के बहाने घर से निकल गईं और पास के ईकोलॉजिकल पार्क पहुंच गईं। वहां उन्होंने करीब दो से ढाई घंटे बिताए। शाम को जब दोनों घर लौटीं तो देर होने के कारण एक बच्ची की मां ने उसे डांटते हुए थप्पड़ मार दिया। मां की फटकार और पिटाई के डर से दोनों बच्चियों ने मिलकर नकाबपोश लोगों द्वारा अपहरण कर जंगल में ले जाने की कहानी गढ़ दी। बच्चियों ने दावा किया कि कुछ अज्ञात लोग उन्हें जबरन अपने साथ ले गए थे। सूचना मिलते ही कटारा हिल्स पुलिस हरकत में आ गई और जंगलों, खेतों तथा आसपास के इलाकों में बड़े स्तर पर सर्च अभियान शुरू कर दिया। पुलिस ने चरवाहों और स्थानीय लोगों से पूछताछ की, लेकिन किसी ने भी ऐसी घटना की पुष्टि नहीं की। जांच के दौरान कॉलोनी और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसमें कोई संदिग्ध व्यक्ति नजर नहीं आया। मामला संदिग्ध लगने पर एडिशनल डीसीपी मिनी शुक्ला ने बच्चियों और उनके परिजनों से गहन पूछताछ की। इसके बाद पूरी सच्चाई सामने आ गई और पता चला कि मां की डांट से बचने के लिए दोनों छात्राओं ने अपहरण की झूठी कहानी गढ़ी थी।

मेट्रो एंकर रेलवे ने बढ़ती भीड़ और लंबी वेटिंग को देखते हुए लिए अतिरिक्त फेरे, हर बुधवार और शनिवार को मिलेगी

भोपाल-बीना-इटारसी से होकर दौड़ेगी मदुरई स्पेशल ट्रेन

भोपाल. दोपहर मेट्रो

भोपाल। दक्षिण भारत की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए रेलवे ने बड़ी सौगात दी है। लगातार बढ़ रही यात्री भीड़ और ट्रेनों में लंबी वेटिंग सूची को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने कानपुर सेंट्रल-मदुरई स्पेशल ट्रेन (01925/01926) के चार-चार अतिरिक्त फेरे चलाने का फैसला किया है। यह ट्रेन भोपाल मंडल के प्रमुख स्टेशनों भोपाल, बीना और इटारसी से होकर गुजरेगी, जिससे मध्य प्रदेश के हजारों यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा।

रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 01925 कानपुर सेंट्रल-मदुरई स्पेशल पांच अगस्त से 26 अगस्त तक प्रत्येक बुधवार को संचालित होगी। वहीं, गाड़ी संख्या 01926 मदुरई-कानपुर सेंट्रल स्पेशल आठ अगस्त से 29 अगस्त तक प्रत्येक शनिवार को चार अतिरिक्त फेरे लगाएगी।

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि अगस्त में त्योहारों,

प्रतियोगी परीक्षाओं, नौकरी और इलाज के लिए बड़ी संख्या में यात्री तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की यात्रा करते हैं। ऐसे में अतिरिक्त फेरों से यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिलने की संभावना बढ़ेगी और वेटिंग सूची का दबाव कम होगा। यह ट्रेन भोपाल, बीना, इटारसी, नागपुर, वारंगल, विजयवाड़ा, नेल्लोर, रेनिगुंटा, काटपडी, सालेम, करूर और डिंडीगुल सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी। इससे मध्य प्रदेश और दक्षिण भारत के बीच रेल संपर्क और अधिक सुगम और सुविधाजनक होगा।

अगस्त में कब-कब चलेगी स्पेशल ट्रेन

रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 01925 कानपुर सेंट्रल-मदुरई स्पेशल पांच, 12, 19 और 26 अगस्त को प्रत्येक बुधवार रवाना होगी। वहीं, गाड़ी संख्या 01926 मदुरई-कानपुर सेंट्रल स्पेशल आठ, 15, 22 और 29 अगस्त को प्रत्येक शनिवार संचालित की जाएगी। रेलवे ने यात्रियों से समय रहते आरक्षण कराने की अपील की है। अतिरिक्त फेरों के संचालन से यात्रियों को कन्फर्म सीट मिलने की संभावना बढ़ेगी और यात्रा पहले की तुलना में अधिक आरामदायक हो सकेगी।

इन स्टेशनों को मिलेगा फायदा

मदुरई स्पेशल ट्रेन भोपाल, बीना और इटारसी के अलावा नागपुर, वारंगल, विजयवाड़ा, नेल्लोर, रेनिगुंटा, काटपडी, सालेम, करूर और डिंडीगुल जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों पर रुकेगी। इससे मध्य प्रदेश के यात्रियों को दक्षिण भारत के प्रमुख शहरों तक बिना किसी परेशानी के सीधी रेल सेवा उपलब्ध होगी। नौकरी, पढ़ाई, व्यापार और पर्यटन के लिए यात्रा करने वाले लोगों को इसका विशेष लाभ मिलेगा।

त्योहार और इलाज के यात्रियों को राहत

अगस्त महीने में त्योहारों, प्रतियोगी परीक्षाओं और इलाज के लिए बड़ी संख्या में लोग दक्षिण भारत की यात्रा करते हैं। इस दौरान ट्रेनों में सीटों की भारी कमी और लंबी वेटिंग यात्रियों की परेशानी बढ़ा देती है। रेलवे द्वारा अतिरिक्त फेरे शुरू किए जाने से यात्रियों को राहत मिलेगी। इससे नियमित ट्रेनों पर दबाव कम होगा और लोगों को समय पर कन्फर्म टिकट मिलने में आसानी होगी।

महिंद्रा शोरूम की पार्किंग से चोरी हुई स्कॉर्पियो

भोपाल. दोपहर मेट्रो। राजधानी के अशोका गार्डन स्थित महिंद्रा के सीआई ऑटोमोटर्स शोरूम से स्कॉर्पियो चोरी होने का मामला सामने आया है। सर्विसिंग और बॉडी रिपेयर के लिए छोड़ी गई करीब 11.75 लाख रुपये कीमत की गाड़ी निर्धारित समय पर लेने पहुंचे ग्राहक को पार्किंग में नहीं मिली। काफी तलाश के बाद भी वाहन का पता नहीं चलने पर पुलिस को सूचना दी गई। अशोका गार्डन थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस शोरूम और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

मध्यप्रदेश का 'मिनी हॉलैंड' बना रूपाखेड़ा,

भोपाल, दोपहर मेट्रो

धार जिले के बदनावर विकासखंड का छोटा-सा गांव रूपाखेड़ा आज अपनी आधुनिक खेती के दम पर पूरे प्रदेश में नई पहचान बना रहा है। कभी गेहूं, चना, मक्का और सोयाबीन जैसी पारंपरिक फसलों पर निर्भर रहने वाला यह गांव अब पॉलीहाउस और शेडनेट हाउस में उगाए जा रहे रंग-बिरंगे फूलों और उन्नत सब्जियों के कारण 'मध्यप्रदेश का मिनी हॉलैंड' कहलाने लगा है। आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक खेती और सरकारी योजनाओं के प्रभावी उपयोग ने यहां के किसानों की आर्थिक तस्वीर पूरी तरह बदल दी है। करीब 1,930 आबादी और 391 परिवारों वाले रूपाखेड़ा में एक दशक पहले तक अधिकांश किसान पारंपरिक खेती पर निर्भर थे। मौसम की अनिश्चितता, बढ़ती लागत और सीमित आमदनी किसानों के लिए बड़ी चुनौती थी। ऐसे समय में उद्यानिकी विभाग ने किसानों को संरक्षित खेती की तकनीक से परिचित कराया। पॉलीहाउस और शेडनेट हाउस में खेती का प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन और सरकारी योजनाओं की जानकारी ने किसानों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए।

फूलों की खुशबू ने बदल दी किसानों की तकदीर

फूलों की खेती से बढ़ी आय

आज रूपाखेड़ा में लगभग 1.44 लाख वर्गमीटर क्षेत्र में 44 पॉलीहाउस संचालित हैं, जहां गुलाब, जरबेरा, लिलियम, जिप्सोफिला, ब्लू डेजी और व्हाइट डेजी जैसे उच्च गुणवत्ता वाले फूलों का व्यावसायिक उत्पादन किया जा रहा है। इन फूलों की मांग प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के विभिन्न बाजारों में भी बढ़ रही है, जिससे किसानों को बेहतर दाम मिल रहे हैं।

सरकारी योजनाओं ने बदली तस्वीर

रूपाखेड़ा की सफलता के पीछे भारत सरकार की मिशन फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट ऑफ हॉर्टिकल्चर (एमआईडीएच) योजना की भी अहम भूमिका रही है। इस योजना के तहत पॉलीहाउस निर्माण के लिए प्रति इकाई 19 लाख रुपये तक तथा शेडनेट हाउस निर्माण के लिए 14.20 लाख रुपये तक का अनुदान किसानों को उपलब्ध कराया गया। इस आर्थिक सहायता ने किसानों के लिए आधुनिक खेती अपनाना आसान बना दिया।

आचार्य समय सागर महाराज का सम्मान, देश-विदेश से आए श्रद्धालु

सीएम ने मध्य प्रदेश का राजकीय अतिथि किया घोषित, श्रद्धालुओं ने जयघोष से किया स्वागत

विधानसभा आने का दिया न्योता

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी में आचार्य समय सागर महाराज ससंघ के चातुर्मास कलश स्थापना महोत्सव में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बड़ा ऐलान करते हुए आचार्य समय सागर महाराज को मध्य प्रदेश का राजकीय अतिथि घोषित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी में गुरुदेव के पुनः पदार्पण पर राज्य सरकार उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए उन्हें राजकीय अतिथि के रूप में स्वीकार करती है। मुख्यमंत्री की इस घोषणा का समारोह में मौजूद श्रद्धालुओं ने जयघोष के साथ स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने आचार्य समय सागर महाराज के पाद प्रक्षालन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान आचार्य श्री ने उन्हें शास्त्र भेंट किए। कार्यक्रम में देश-विदेश से आए हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे। ट्रस्ट अध्यक्ष पंकज सुपारी, पूर्व अध्यक्ष मनोज बांगा, प्रमोद जैन और हिमांशु जैन ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। समारोह में मंत्री विश्वास सारंग, विधायक आलोक शर्मा, राहुल कोठारी, रविंद्र यति, राजकुमार पटेल सहित कई जनप्रतिनिधि और समाजजन उपस्थित रहे।

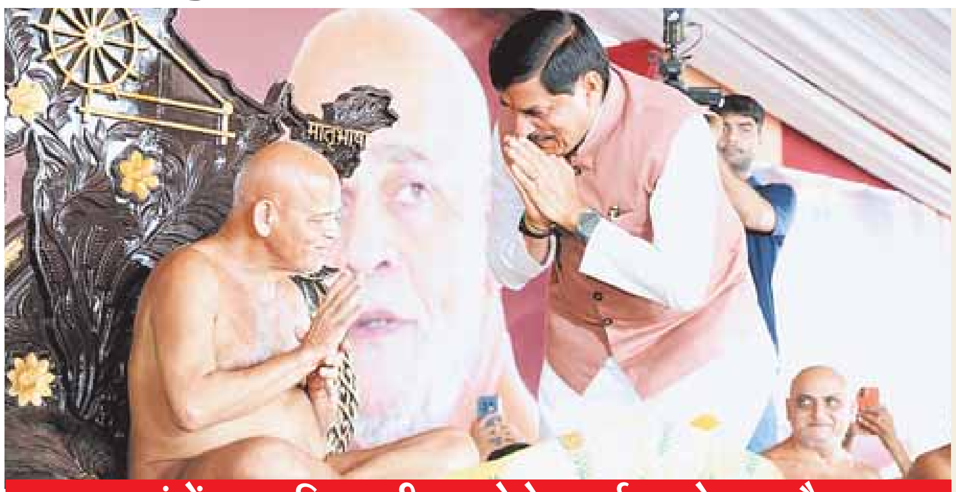

संतों का सान्निध्य जीवन को देवमार्ग पर ले जाता है

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने संबोधन में कहा कि मनुष्य जीवन 84 लाख योनियों के बाद प्राप्त होता है और इसी जीवन से दो मार्ग निकलते हैं—एक देवत्व की ओर और दूसरा कष्टों की ओर। उन्होंने कहा कि यदि संतों का सान्निध्य मिल जाए तो मनुष्य का देवमार्ग निश्चित हो जाता है। उन्होंने आचार्य विद्यासागर महाराज के साथ अपने वर्षों पुराने जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि उन्हें कई अवसरों पर उनके दर्शन और मार्गदर्शन का सौभाग्य मिला और अब आचार्य समय सागर महाराज के रूप में वही आध्यात्मिक परंपरा आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की पहचान उसकी आध्यात्मिक विरासत, संत परंपरा और सेवा भाव से है। दुनिया जहां शक्ति और संघर्ष के रास्ते पर चल रही है, वहीं भारत ने हमेशा आत्मसंयम, अहिंसा और करुणा का मार्ग दुनिया के सामने रखा है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि शासक नहीं, बल्कि जनता के सेवक हैं और शासन का प्रत्येक निर्णय समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए होना चाहिए।

आचार्य श्री ने दिया सेवा और अहिंसा का संदेश

आचार्य समय सागर महाराज ने अपने आशीर्वचन में कहा कि अहिंसा केवल जैन धर्म का नहीं, बल्कि विश्व धर्म का आधार है। उन्होंने वर्षायोग की सार्थकता बताते हुए समाज से आह्वान किया कि आचार्य विद्यासागर महाराज की प्रेरणा के अनुरूप अहिंसा, जीव दया, शिक्षा, चिकित्सा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्रों में सेवा कार्यों को आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने का माध्यम भी है।

सरकार का उद्देश्य सभी का कल्याण करना

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में आचार्य समय सागर महाराज से मध्य प्रदेश विधानसभा आने का आग्रह भी किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी विधायक गुरुदेव का मार्गदर्शन प्राप्त करें, जिससे जनप्रतिनिधियों को सेवा, संयम और लोककल्याण के मूल्यों पर चलने की प्रेरणा मिले। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य गरीब, किसान, महिला और युवा के कल्याण के साथ भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों को भी मजबूत करना है।

देश-विदेश से पहुंचे श्रद्धालु

समाज प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया कि चातुर्मास कलश स्थापना समारोह में अनेक त्यागी-व्रतियों का सम्मान एवं अनुमोदना की गई। आयोजन में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और आचार्य समय सागर महाराज के आशीर्वचन का लाभ लिया। मुख्यमंत्री द्वारा आचार्य श्री को राजकीय अतिथि घोषित किए जाने की घोषणा को जैन समाज ने ऐतिहासिक बताते हुए उसका स्वागत किया।

जी प्रदर्शन पर मंत्री विजयवर्गीय बोले-

आंदोलन जरूरी, लेकिन मर्यादा नहीं टूटनी चाहिए पीएम ने दिखाया बड़ा दिल

इंदौर, दोपहर मेट्रो

जेन-जी प्रदर्शन पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा- पीएम ने चैप्टर क्लोज कर दिया, जिन्होंने गाली दी अब वह रोकर माफी मांग रहे हैं। उन्होंने यह बात एक पेड़ मां के नाम महाअभियान के तहत इंदौर के कृषि महाविद्यालय परिसर की ग्रीन बेल्ट में 15 हजार पौध रोपण अभियान के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। श्री विजयवर्गीय ने कहा कि आंदोलन जरूरी है, लेकिन हमें मर्यादा नहीं लांघनी चाहिए।

विजयवर्गीय ने कहा, हमारे यहां बेटियों को सीता, गीता, गायत्री कहा जाता है। हर नवरात्रि में इनके पैरों की पूजा करते हैं। वही बेटी जेन-जी के मंच से देश के प्रधानमंत्री के लिए इस प्रकार के शब्दों का प्रयोग करे, जो मर्यादा के अनुकूल नहीं है। यह किसी को अच्छा नहीं लगा।

उन्होंने कहा कि आंदोलन करने का अधिकार सभी को है। मैंने जिंदगी में कई बार लड़ाइयां लड़ी हैं। लोकतंत्र में बोलने की स्वतंत्रता है, लेकिन मर्यादा का पालन करना चाहिए। पूरी दुनिया में भारत की साख 400-500 लोगों ने खराब की है। देश के प्रधानमंत्री का दिल देखिए, उन्होंने इन्हें माफ कर दिया। इसके बाद रो-रोकर उनके वीडियो आ रहे हैं कि हमें क्षमा करें, हम पूरे देश से माफी मांगते हैं।

आंदोलन की एक मर्यादा होती है

जंतर-मंतर पर जेन-जी के प्रदर्शन को लेकर उन्होंने कहा यह चैप्टर प्रधानमंत्री ने क्लोज कर दिया है। हर व्यक्ति को अपनी मर्यादा में रहना चाहिए। मर्यादा टूटती है तो लोगों का दिल टूटता है। हर व्यक्ति दुखी था। लोकतंत्र में आंदोलन करने का सभी को अधिकार है। मैंने कई आंदोलन किए हैं, हर मोर्चे पर लड़ाई लड़ी है, लेकिन आंदोलन की एक मर्यादा होती है। हम अपने माता-पिता से भी नाराज हो जाते हैं, लेकिन मर्यादा नहीं तोड़ते हैं।

मंत्री विजयवर्गीय ने अपने राजनीतिक सफर को याद करते हुए कहा, जब हम शुरुआत में प्रचार करते थे, तब सपना भी नहीं आता था कि हमारी सरकार बनेगी या हम पार्षद भी बनेंगे। यह तो जनता का आशीर्वाद है कि जो पुलिस हमारे पीछे डंडा लेकर भागती थी, वह पुलिस अब हमारा दरवाजा भी खोलती है।

प्रमोशन का इंतजार कर रहे कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर

एचसी में जल्द शुरू हो सकती है सुनवाई, नोटिस के आधार पर पदोन्नतियां रोकने का आरोप

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में 2016 के बाद पदोन्नतियां प्रारंभ तो हुईं मगर इसे लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। कुछ विभागों में केवल नोटिस के आधार पर पदोन्नतियां रोकी जा रही हैं तो कुछ विभागों में अनारक्षित श्रेणी के पदों पर पदोन्नतियां नहीं दी गईं। भारतीय पशु चिकित्सा परिषद ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल से की है।

उधर, तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने भी कंप्यूटर दक्षता प्रमाणीकरण (सीपीसीटी) की आड़ में पदोन्नति रोकने का आरोप लगाया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय ने जांच कर उचित कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उधर, पदोन्नति नियम 2025 को लेकर एक-दो दिनों में हाई कोर्ट जबलपुर में सुनवाई हो सकती है। प्रदेश में बंद पदोन्नतियां फिर प्रारंभ होने से अधिकारी-कर्मचारी उत्साहित हैं। सभी विभागों में पदोन्नति समिति की बैठकें चल रही हैं लेकिन कुछ विभागों में प्रक्रिया का पालन नहीं करने और गड़बड़ियों को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। पशुपालन एवं डेयरी विभाग में हुई पदोन्नति को लेकर भारतीय पशु चिकित्सा परिषद के अध्यक्ष डॉ. उमेश कुमार शर्मा ने आपत्ति की है।

उन्होंने मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव को लिखे पत्र में कहा कि 27 जुलाई 2026 को पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ से उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं के 202 पदों के विरुद्ध पदोन्नति के लिए विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक की गई।

पदोन्नति के लिए अनुपयुक्त घोषित किया

इनमें से लगभग 30 पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञों को पूर्व में जारी मात्र कारण बताओ नोटिस के आधार पर पदोन्नति के लिए अनुपयुक्त घोषित कर दिया गया। जबकि, उनके विरुद्ध कोई भी विभागीय जांच संस्थापित नहीं की गई थी और न ही कोई आरोप पत्र जारी किए गए थे। जबकि, नियमानुसार आरोप पत्र जारी होने के बाद ही किसी अधिकारी को पदोन्नति के लिए अनुपयुक्त घोषित किया जा सकता है। इसके साथ ही अनारक्षित श्रेणी के 14 पदों पर जानबूझकर पदोन्नति की कार्रवाई नहीं की गई जबकि इस श्रेणी में पर्याप्त संख्या में पात्र अधिकारी पदोन्नति के लिए उपलब्ध थे।

अब की जा रही है ये मांग

पदोन्नति के बाद पदस्थापना की कार्यवाही में भी अनियमितताओं की सूचना प्राप्त हो रही हैं। इसे देखते हुए पूरे मामले की जांच कराई जाए। विभागीय पदोन्नति की बैठक फिर की जाए और उसमें सामान्य प्रशासन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी को सदस्य के रूप में शामिल किया जाए।

एमपी ट्रांसको के सब-स्टेशन में हुआ सामूहिक पौध-रोपण

भोपाल। विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के उपक्रम मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के 400 केवी सब-स्टेशन ताजपुर उज्जैन में सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, जैव-विविधता संवर्धन एवं प्रकृति को हरा-भरा बनाए रखने का संकल्प लिया गया। परिसर में लगभग 100 पौधे रोपे गए तथा उनकी नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प भी सभी कार्मिकों द्वारा लिया गया। कार्यक्रम मे अतिरिक्त मुख्य अभियंता अनिल सक्सेना ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि सतत जिम्मेदारी है।

अगले 24 वर्षों में 60 प्रतिशत छोटा हो जाएगा भोपाल का बड़ा तालाब!

एआई स्टडी में हुआ हैरान करने वाला खुलासा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सदियों से भोपाल की पहचान से जुड़ा बड़ा तालाब शहर की जीवनरेखा है। यह अब भी 40 प्रतिशत शहरियों की प्यास बुझा रहा है। इसकी अथाह जलराशि देखकर अंदाजा नहीं मिलता लेकिन एक खतरा इसकी ओर बेहद धीमे कदमों से बढ़ रहा है। यह खतरा इतना गंभीर है कि अगले 24 वर्षों में यानी वर्ष 2050 के प्री-मानसून सीजन तक तालाब का जलभराव क्षेत्र 40 से 60 प्रतिशत तक घट सकता है।

भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आइसर) भोपाल और मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) के विज्ञानी बड़े जलस्रोतों पर वैश्विक तापमान वृद्धि के प्रभावों का अध्ययन कर रहे हैं। आइसर के पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग के डॉ. सोमिल स्वर्णकार के नेतृत्व में शोधकर्ताओं की टीम रिमोट सेंसिंग तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से इसका विश्लेषण कर रही है। इस टीम ने 1980 से 2024 तक के उपग्रह चित्रों और आंकड़ों की मदद से अगले 24-25 साल तक की परिस्थितियों का मॉडल विकसित किया है।

तापमान में 2 डिग्री वृद्धि से गंभीर असर

इस अध्ययन में सामने आया कि वर्ष 1990 में अलग-अलग मौसम में भोजताल का जलभराव क्षेत्र लगभग 30 से 35 वर्ग किलोमीटर तक पहुंचता था। 2022 तक जलभराव क्षेत्र में मौसमी उतार-चढ़ाव का व्यापक असर दर्ज हुआ। इस बीच कई वर्ष ऐसे आए जब बरसात से पहले तालाब का जलभराव क्षेत्र एकदम से घट गया। 1990 में तो जलभराव क्षेत्र पांच वर्ग किमी तक कम हुआ था। विज्ञानियों का कहना है कि अगर वैश्विक तापमान में दो डिग्री सेल्सियस की भी वृद्धि होती है तो इस तालाब का जलभराव क्षेत्र 40 प्रतिशत तक हो जाएगा। इसका सबसे अधिक असर मई-जून के महीनों में दिखेगा।

मेट्रो एंकर

अग्निवीर भर्ती का फिजिकल टेस्ट भिंड-मुरैना के अभ्यर्थियों लिए बना चुनौती!

10 जिलों के 12 हजार अभ्यर्थी अब सागर में देंगे परीक्षा

अक्टूबर में सागर में होगी अग्निवीर फिजिकल परीक्षा

अप्रैल की लिखित परीक्षा में 46 हजार शामिल हुए

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया 2026 के तहत शारीरिक परीक्षा (फिजिकल टेस्ट) का आयोजन अक्टूबर के पहले और दूसरे सप्ताह में सागर में किया जाएगा। इसके लिए सागर जिला प्रशासन ने सेना भर्ती कार्यालय को अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी कर दिया है। परीक्षा का आयोजन सागर स्थित इंदिरा गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज के मैदान में होगा। करीब 12 हजार अभ्यर्थी इस शारीरिक परीक्षा में हिस्सा लेंगे। इनमें सबसे अधिक संख्या ग्वालियर, भिंड और मुरैना के युवाओं की है। सेना भर्ती कार्यालय परीक्षा की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा है।

भिंड, मुरैना और शिवपुरी के अभ्यर्थियों के लिए बढ़ी परेशानी

भिंड, मुरैना और शिवपुरी के अभ्यर्थियों को परीक्षा स्थल तक पहुंचने में यात्रा संबंधी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इन जिलों से सागर के लिए पर्याप्त ट्रेन सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में उम्मीदवारों को पहले ग्वालियर पहुंचना होगा और वहां से ट्रेन के जरिए सागर जाना पड़ेगा। सीमित रेल सेवाओं के कारण कई अभ्यर्थियों को परीक्षा से एक दिन पहले ही ग्वालियर पहुंचना पड़ सकता है, ताकि समय पर सागर के लिए ट्रेन पकड़ सकें और निर्धारित तिथि पर शारीरिक परीक्षा में शामिल हो सकें।

रेलवे से विशेष ट्रेन चलाने का अनुरोध

अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सेना के अधिकारी रेलवे को विशेष ट्रेन चलाने के लिए पत्र लिखेंगे। इससे भिंड, मुरैना, शिवपुरी और आसपास के जिलों के उम्मीदवारों को सागर तक पहुंचने में आसानी होगी और परीक्षा में शामिल होने में किसी तरह की परेशानी नहीं आएगी।

अप्रैल में हुई थी ऑनलाइन लिखित परीक्षा

अग्निवीर भर्ती के पहले चरण के तहत अप्रैल में ऑनलाइन लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। इस परीक्षा में मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से करीब 46 हजार अभ्यर्थियों ने भाग लिया था। इनमें से लगभग 12 हजार उम्मीदवार सफल घोषित हुए हैं, जिन्हें अब शारीरिक परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा। शारीरिक परीक्षा का विस्तृत कार्यक्रम तय होने के बाद सफल अभ्यर्थियों को ई-मेल के माध्यम से प्रवेश पत्र भेजे जाएंगे। उम्मीदवारों को निर्धारित तिथि और समय पर परीक्षा केंद्र पर पहुंचना होगा।

10 जिलों के अभ्यर्थी लेंगे हिस्सा सागर में होने वाली इस परीक्षा में प्रदेश के 10 जिलों के करीब 12 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे। इनमें लगभग 70 प्रतिशत अभ्यर्थी ग्वालियर, भिंड और मुरैना जिले के हैं। बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन और सेना भर्ती कार्यालय व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर रहे हैं।

पदकों से आगे की जीत

ग्लासगो में आयोजित 2026 के कॉमनवेल्थ खेलों में भारत का प्रदर्शन एक बार फिर यह साबित करता है कि देश अब केवल पारंपरिक खेल शक्तियों में ही नहीं, बल्कि नए खेलों में भी अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। पदकों की संख्या निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि भारतीय खिलाड़ियों ने कठिन मुकाबलों में जिस आत्मविश्वास, अनुशासन और मानसिक मजबूती का परिचय दिया, वह भविष्य के लिए उत्साह बढ़ाने वाला है।

पिछले एक दशक में भारत में खेल संस्कृति को लेकर बड़ा बदलाव आया है। सरकार की विभिन्न योजनाएं, खेल विज्ञान का बढ़ता उपयोग, बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं और निजी क्षेत्र का सहयोग खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार कर रहा है। इसका असर कॉमनवेल्थ खेलों में भी दिखाई दिया। कई युवा खिलाड़ियों ने पहली बार बड़े मंच पर उतरकर उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि अनुभवी खिलाड़ियों ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। यह पीढ़ियों के संतुलन का संकेत है, जो किसी भी खेल महाशक्ति बनने की दिशा में आवश्यक होता है।

हालांकि, आत्मसंतोष की कोई गुंजाइश नहीं है। कुछ ऐसे खेल भी रहे, जिनमें भारत से बेहतर प्रदर्शन की अपेक्षा थी, लेकिन परिणाम निराशाजनक रहे। यह याद रखना होगा कि कॉमनवेल्थ खेलों की प्रतिस्पर्धा, ओलंपिक या विश्व चैंपियनशिप की तुलना में सीमित होती है। इसलिए यहां मिली सफलता को अंतिम उपलब्धि मानने के बजाय उसे अगले लक्ष्य की तैयारी का आधार बनाना चाहिए।

एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि भारत को अब कुछ चुनिंदा खेलों पर निर्भर रहने की प्रवृत्ति से बाहर निकलना होगा। एथलेटिक्स, तैराकी, साइक्लिंग, जिम्नास्टिक और अन्य ओलंपिक खेलों में निरंतर निवेश और प्रतिभा विकास की आवश्यकता है। यदि देश इन क्षेत्रों में भी मजबूत आधार तैयार कर लेता है, तो वैश्विक खेल मानचित्र पर उसकी स्थिति और सुदृढ़ होगी।

भारत के खिलाड़ियों ने यह भी दिखाया है कि प्रतिभा किसी महानगर की मोहताज नहीं है। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचने वाले खिलाड़ियों की बढ़ती संख्या बताती है कि अवसर मिलने पर देश के हर कोने में चैंपियन तैयार हो सकते हैं। अब जरूरत इस बात की है कि खेलों को केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास और युवा सशक्तीकरण के माध्यम के रूप में देखा जाए।

कॉमनवेल्थ खेल 2026 भारत के लिए केवल पदकों का लेखा-जोखा नहीं हैं। यह उस बदलती खेल संस्कृति का प्रमाण हैं, जिसमें सपनों को सुविधाओं का साथ मिलने लगा है। यदि यही गति और प्रतिबद्धता बनी रही, तो आने वाले ओलंपिक और विश्व स्तरीय प्रतियोगिताओं में भारत की सफलता का दायरा निश्चित रूप से और व्यापक होगा।

प्रदर्शन - हिंसा के लिए भीड़तंत्र या सिर्फ पुलिस दोषी ?

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली में छात्र आंदोलन के अंतिम चरण में उग्र भीड़ और पुलिस के टकराव ने एक गंभीर विवाद पैदा कर दिया। छात्रों और उमके समर्थकों के अलावा असामाजिक तत्वों अपराधियों पर पुलिस कार्रवाई में राहुल गाँधी और उनके गठजोड़ी नेता बर्बरता से लाठी - गोली चलने और हजारों के घायल होने के अनर्गल आरोप संसद से सड़क तक लगा रहे हैं। शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद देश के गृह मंत्री अमित शाह को पुलिस ज्यादती का दोषी बता इस्तीफा मांगने लगे। असली निशाना तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही हैं। प्रतिपक्ष यह क्यों भूल जाता है कि यदि अगली बार पुलिस हिंसक भीड़ को संसद या विधानसभा में घुसने से रोकने के बजाय लाठी , आंसू गैस , बंदूक को नीचे रख दे तो क्या स्थिति होगी ? पुलिस अपनी रक्षा और सुविधाओं के लिए किसी राज्य में ही सड़क पर खड़ी हो जाए , तो नेताओं और जनता का क्या होगा ? राहुल गांधी, उनके पालतू सलाहकार या अमेरिकन अंकल न जानते हों , लेकिन पुराने कोंग्रेसियों को 1973 में कांग्रेस राज में प्रादेशिक पुलिस (पीएसी) द्वारा अपने अधिकार और सुविधाओं के लिए संघर्ष की जानकारी होगी। तब कांग्रेस के मुख्यमंत्री कमलापति त्रिपाठी को प्रधान मंत्री इंदिरागांधी से गुहार लगा सेना बुलानी पड़ी थी। सेना की कार्रवाई में करीब 35 पुलिसकर्मी मारे गए और सैकड़ों घायल हो गए थे। न केवल मुख्यमंत्री को इस्तीफा देना पड़ा , राष्ट्रपति शासन लगाकर स्थिति पर नियंत्रण किया जा सका।

दिल्ली का रामलीला मैदान और जंतर-मंतर देश में विरोध और लोकतांत्रिक असहमति की आवाज उठाने का प्रमुख स्थल रहा है। अन्ना आंदोलन से लेकर किसानों, पहलवानों, छात्रों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के आंदोलनों तक यहां प्रदर्शन होते रहे हैं। इसलिए इनको लोकतांत्रिक विरोध के अधिकार का महत्वपूर्ण प्रतीक माना जाता है। लेकिन हाल ही में अमेरिका से उतरी कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा छात्रों की परीक्षाओं में गड़बड़ियां रोकने की मांगों पर 20 जुलाई 2026 को के 'संसद चलो' प्रदर्शन के दौरान जंतर-मंतर और नई दिल्ली क्षेत्र में पुलिस तथा प्रदर्शनकारियों के बीच गंभीर टकराव हुआ। दिल्ली पुलिस के अनुसार इस हिंसा में 118 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए, जिनमें वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल थे। बाद की रिपोर्टों में घायल पुलिसकर्मियों की संख्या 129 तक बताई गई। लगभग 70 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिए जाने और करीब 60 प्रदर्शनकारियों के घायल होने की भी रिपोर्ट आई।

फिर 31 जुलाई को घायल दिल्ली पुलिसकर्मियों के परिवारों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आरोप लगाया कि जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों को जानबूझकर निशाना बनाया गया। परिवारों के मुताबिक अग्रिम पंक्ति में तैनात जवानों को भीड़ ने घेरा, उन पर पत्थर फेंके और शारीरिक हमला किया। परिवारों ने कुछ पुलिसकर्मियों की गंभीर चोटों का भी उल्लेख किया। प्रदर्शनकारियों की ओर से पुलिस द्वारा बल प्रयोग, लाठीचार्ज और अन्य कार्रवाई को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। राहुल गाँधी एंड कंपनी के मैदान में कूदने पर विदेशों में बैठे मानव अधिकारों के ठेकेदारों की संस्थाओं ने भारतीय लोकतंत्र को बदनाम करने के साथ सीधे या गोपनीय ढंग से आग को और भड़काने के इंतजाम कर दिए। इन सबने ने 20 जुलाई की कार्रवाई पर अत्यधिक बल प्रयोग और प्रदर्शनकारियों के अधिकारों से संबंधित चिंताएं उठाईं। इसलिए लोकतंत्र में सवाल यह नहीं है कि 'पुलिस सही थी या प्रदर्शनकारी? घटना की सबसे बड़ी सीख यह है कि राजधानी के सबसे संवेदनशील प्रदर्शन क्षेत्र में भी पुलिसकर्मी यदि भीड़ के सीधे हमले का शिकार होते हैं तो यह केवल किसी एक जवान की समस्या नहीं है। यदि पुलिसकर्मियों को हजारों लोगों की भीड़ नियंत्रित करनी है, तो उसके पास पर्याप्त अधिकार और साधन , जरुरत पड़ने पर रैपिड फोर्सेज का सहयोग और सरकार ही नहीं प्रतिपक्ष तथा समाज का विश्वास और समर्थन होना चाहिए। पुलिसकर्मियों को यह भरोसा भी होना चाहिए कि ड्यूटी के दौरान गंभीर चोट लगने या मृत्यु होने पर उनके परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता, बीमा और चिकित्सा सुविधा मिलेगी।

इसे संयोग ही कहा जाएगा कि हाल की घटना पर देश भर में हंगामे के बीच 2020 में साम्प्रदायिक उपद्रव के दौरान आम आदमी पार्टी के पार्षद की अगुवाई में दिल्ली पुलिस को सहायता कर रहे केंद्रीय इंटेलिजेंस ब्यूरो के युवा अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या मामले में दिल्ली की अदालत का फैसला आया है। यह इस बहस को और गंभीर बना देता है। अदालत के फैसले में बताया गया है कि नेता ताहिर हुसैन के साथ चार अन्य अपराधियों ने बहुत क्रूरता के साथ अंकित शर्मा की हत्या कर शव नदी नाले में फेंक दिया। जबकि

अंकित शर्मा घटना के समय निहत्थे थे। वैसे भी गुप्तचर विभाग के अधिकारी हथियार के बिना भीड़ या गड़बड़ी वाले इलाकों में सही स्थिति तथा अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सक्रिय रहते हैं। अदालत ने उनके शरीर पर 51 चोटों और सात घातक घावों का उल्लेख करते हुए इसे अत्यंत क्रूर हत्या बताया और आजीवन कारावास की सजा दी। जबकि अभियोजन पक्ष यानी पुलिस ने अदालत से मृत्युदंड की मांग की थी। यह फैसला केवल 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़ा एक आपराधिक मामला नहीं है। यह उस बड़े प्रश्न को भी सामने लाता है कि जब भीड़ कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले पुलिसकर्मियों, सुरक्षा कर्मचारियों या खुफिया अधिकारियों को ही निशाना बनाने लगे तो लोकतांत्रिक व्यवस्था उनकी सुरक्षा कैसे सुनिश्चित करे?

वर्तमान में कांग्रेस और विरोधी दल के नेताओं को 1973 के आंदोलन को छात्रों की समस्याओं, मांगों और पुलिस के सम्मान, काम की परिस्थितियों, रहने की व्यवस्था, छुट्टी, संगठन बनाने के अधिकार और वरिष्ठ अधिकारियों के व्यवहार से जुड़ी शिकायतों को ध्यान में रखकर सोचना चाहिए। मैं तब दिल्ली में हिन्दुस्थान समाचार न्यूज़ एजेंसी के संवाददाता के रूप में संसद और राजनीति कवर करता था। संसद में इस मुद्दे की गूंज देखीं सुनीं है। अब आबादी , अपेक्षाओं के साथ देश विदेश की भारत विरोधी ताकतों के इरादों एवं डिजिटल इंटरनेट से सही - गलत सूचना, अफवाह आग की तरह भड़कने के स्थिति को समझना चाहिए। मार्च 1973 में अधीनस्थ पुलिसकर्मियों के बीच संगठनात्मक गतिविधियां तेज हुईं। अप्रैल में भी अनुशासन से जुड़े विरोध के संकेत मिले और मई आते-आते असंतोष खुली चुनौती में बदलने लगा। लखनऊ विश्वविद्यालय विस्फोट का केंद्र बना। विश्वविद्यालय में परीक्षाओं के दौरान पीएसी की तैनाती को लेकर छात्रों में भी असंतोष था। मई 1973 में पीएसी के कुछ असंतुष्ट जवानों और छात्रों के आंदोलन का आपस में संपर्क हो गया। देखते-देखते 'पीए सी छात्र एकता' के नारे लगने लगे। स्थिति तब खतरनाक हुई जब पीएसी के कुछ जवानों ने छात्रों के साथ मिलकर विरोध में भाग लिया और विश्वविद्यालय परिसर में हिंसा तथा आगजनी होने लगी।विश्वविद्यालय की कई इमारतों को नुकसान पहुंचा। परीक्षा संबंधी कार्यालय, रजिस्ट्रार और अन्य कार्यालयों सहित कई स्थानों पर आगजनी हुई। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि भारतीय सेना को विश्वविद्यालय परिसर में बुलाना पड़ा। सेना ने परिसर को घेरा, होस्टल्स को नियंत्रित किया और प्रवेश पर निगरानी शुरू की।

पुलिस विद्रोह दबा, जवानों पर मुकदमे चले, कई मारे गए, सैकड़ों गिरफ्तार और बर्खास्त हुए; लेकिन सरकार पर इतना राजनीतिक दबाव पड़ा कि मुख्यमंत्री कमलापति त्रिपाठी को पद छोड़ना पड़ा और उत्तर प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लागू हुआ। यानी 1973 की यह घटना केवल पुलिस इतिहास नहीं थी। यह पुलिस असंतोष, छात्र आंदोलन, प्रशासनिक विफलता, हथियारबंद विद्रोह, सेना के हस्तक्षेप और सत्ता परिवर्तन—इन सभी का एक साथ विस्फोट थी। पिछले करीब 20 वर्षों में पुलिस और सुरक्षा बलों को प्रदर्शन, दंगों, सांप्रदायिक हिंसा और अन्य भीड़ की हिंसा के दौरान अनेक बार निशाना बनाया गया है।इसके बावजूद कुछ घटनाएं इस समस्या का पैमाना समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं।16 दिसंबर 2012 के निर्भया कांड के बाद दिल्ली में हुए विशाल प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक टकराव हुआ।कांस्टेबल सुभाष तोमर गंभीर रूप से घायल हुए और बाद में उनकी मृत्यु हो गई।यह घटना दिखाती है कि बड़े जनप्रदर्शन के दौरान भीड़ नियंत्रण करने वाला पुलिस बल स्वयं हिंसा का शिकार हो सकता है। दिसंबर 2018 उत्तर प्रदेश पुलिस के लिए बेहद गंभीर रहा।बुलंदशहर में इंस्पेक्टर सुबोध कुमार सिंह की हत्या कर दी गई। यह घटना भीड़ की हिंसा और कानून-व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बन गई।इसी महीने गाजीपुर में प्रधानमंत्री की सभा से लौट रहे पुलिसकर्मियों पर भीड़ ने पथराव किया। कांस्टेबल सुरेश वत्स की पत्थर लगने से मौत हो गई।दो अलग-अलग घटनाओं ने यह सवाल उठाया कि क्या पुलिस को भीड़ नियंत्रण के दौरान पर्याप्त सुरक्षात्मक उपकरण और संस्थागत संरक्षण मिलता है?

नवंबर 2019 में तीस हजारी अदालत परिसर में पुलिस और वकीलों के बीच हिंसक टकराव के बाद दिल्ली पुलिस के लगभग 2,000 पुलिसकर्मी और उनके परिवारजन पुलिस मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन के लिए पहुंचे। यह घटना महत्वपूर्ण इसलिए थी क्योंकि पुलिसकर्मी स्वयं यह मांग लेकर सड़क पर उतरे कि ड्यूटी के दौरान उन पर हमला होने की स्थिति में उन्हें पर्याप्त संस्थागत सुरक्षा मिले।यह सामान्य ट्रेड यूनियन आंदोलन जैसा मामला नहीं था, बल्कि पुलिस बल के भीतर बढ़ती असुरक्षा की अभिव्यक्ति थी।

2020 में कोरोना महामारी में लॉकडाउन के दौरान पुलिस को सड़कों पर नियम लागू करने की जिम्मेदारी दी गई। लॉकडाउन लागू कराने के दौरान पुलिसकर्मियों पर कई स्थानों पर हमले हुए। महाराष्ट्र में एक जनहित याचिका में दावा किया गया था कि लॉकडाउन लागू कराने के दौरान 97 पुलिसकर्मियों पर हमले हुए।यह अनुभव बताता है कि पुलिस का जोखिम केवल गोली या पत्थर से नहीं है। महामारी, संक्रमण, लगातार लंबी ड्यूटी और मानसिक तनाव भी उनकी नौकरी का हिस्सा हैं।

26 जनवरी 2021 का किसान ट्रैक्टर मार्च के समय 394 पुलिसकर्मी घायल हुए। ट्रैक्टर मार्च के दौरान दिल्ली में कई स्थानों पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक टकराव हुआ। लाल किले में भी प्रदर्शनकारियों के प्रवेश और बैरिकेड तोड़ने की घटनाएं हुईं।यह आंकड़ा विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक ही दिन की व्यापक हिंसा में पुलिस बल को हुए नुकसान का पैमाना बताता है।किसान आंदोलन के दौरान सिंघु बॉर्डर पर भी पुलिसकर्मियों पर हमले की घटनाएं सामने आईं।ऐसी घटनाओं ने पुलिस के सामने एक कठिन चुनौती रखी—एक ओर शांतिपूर्ण प्रदर्शन के संवैधानिक अधिकार की रक्षा, और दूसरी ओर हिंसा, पथराव या पुलिस पर हमले की स्थिति में कानून-व्यवस्था कायम करना।इसलिए सम्पूर्ण राजनीतिक व्यवस्था और भारतीय समाज को अन्य देशों में होने वाले आन्दोलनों और लोकतान्त्रिक अधिकारों के नाम पर अनियंत्रित आन्दोलनों उपद्रवों को समय पर रोकने के प्रयास करने चाहिए।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

परिवार में महिलाओं को भी अपने सपने पूरे करने के पर्याप्त अवसर मिलें

कृष्णमोहन झा
स्तंभकार

विगत दिनों विश्व मांगल्य सभा के तत्वावधान में आयोजित ' युगानुकूल मातृत्व ' कार्यक्रम के समापन सत्र में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जो सारगर्भित व्याख्यान दिया वह पूरी तरह मातृत्व विमर्श पर केंद्रित था। संघ प्रमुख ने अपने व्याख्यान में इस बात को विशेष रूप से रेखांकित किया कि आदिकाल से मातृत्व ही सृष्टि का आधार रहा है और मातृत्व के बिना सृष्टि का सृजन,संवर्धन और पोषण संभव नहीं है। मनुष्य की प्रथम गुरु माता होती है जो संस्कारित करने के साथ ही उसके विचारों को सही दिशा प्रदान करती है। माता जीवन भर उसे भावनात्मक संबल भी प्रदान करती है। मोहन भागवत ने कहा कि भारतीय परंपरा में मातृत्व और परिवार लंबे समय से चिंतन का विषय रहा है ।स्वामी विवेकानंद, महात्मा गॉंधी और रवींद्र नाथ टैगोर ने इस विषय पर महत्वपूर्ण विचार रखे हैं।

संघ प्रमुख ने आगे कहा कि परिवार में समय देना और संवाद बनाए रखना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बच्चों की जिज्ञासाओं का समाधान करना माता पिता का दायित्व है इसलिए उन्हें निरंतर अपना स्वयं का ज्ञान भी बढाते रहना चाहिए। माता पिता को बच्चों के सामने खुद आदर्श आचरण प्रस्तुत करना होगा क्यों बच्चों में बड़ों का अनुकरण करने की प्रवृत्ति होती है। भागवत ने कहा कि समाज में अनेक विमर्श भ्रम के कारण चलते हैं। भारतीय संस्कृति के बारे में यह भ्रम फैलाया गया कि हमारी परंपराएं गलत हैं जबकि वास्तविकता यह है कि हमारा सांस्कृतिक आधार अत्यंत प्रबल और प्रत्यक्ष है। भागवत ने कहा कि हमें अपने इतिहास, ज्ञान और परंपराओं पर विश्वास रखते हुए आगे बढ़ना चाहिए।

संघ प्रमुख ने विविधता में एकात्म भाव को भारतीय संस्कृति का मूल संदेश बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि भारत में रहते हुए भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों के अनुरूप जीवन जीना चाहिए। भागवत ने अपने भाषण में अन्य देशों के जीवन मूल्यों का अंधानुकरण करने के बजाय भारतीय दृष्टिकोण के आधार पर समाज और परिवार व्यवस्था को मजबूत बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

गौरतलब है कि संघ प्रमुख भागवत मोहन भागवत अपने व्याख्यानों में हमेशा ही राष्ट्र निर्माण में महिलाओं के योगदान को रेखांकित करते हुए इस बात पर विशेष जोर देते हैं कि राष्ट्र की उन्नति के लिए महिला सशक्तिकरण अत्यंत आवश्यक है।विगत दिनों नई दिल्ली में विश्व मांगल्य सभा के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम 'युगानुकूल मातृत्व' के समापन समारोह में दिए गए अपने उदबोधन में उन्होंने अपने इसी मंतव्य को दोहराते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए पुरुषों में भी जागरूकता लाना आवश्यक है और इसकी शुरुआत परिवार से होना चाहिए।भागवत ने कहा कि केवल इसलिए कि महिलाएं सक्षम हैं ,उन पर परिवार की सारी जिम्मेदारी नहीं डाली जाना चाहिए बल्कि परिवार को एक टीम की तरह काम करना चाहिए जिसमें परिवार के हर सदस्य की जिम्मेदारी तय होना चाहिए। भागवत ने अपनी बात को और स्पष्ट करते हुए आगे कहा कि परिवार को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि परिवार की जिम्मेदारियों के निर्वहन करते महिलाओं को अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने का पर्याप्त अवसर मिले।परिवार को स्वयं से यह पूछना चाहिए वह महिलाओं को ऐसे कौन से अवसर प्रदान कर सकता है जिसमें वह अपने सपनों को साकार कर सके यह तभी संभव हो सकता है इसके परिवार के सभी सदस्यों की प्राथमिकताएं तय होना चाहिए ।

उल्लेखनीय है कि मातृ शक्ति के सशक्तिकरण, परिवार व सामाजिक जागरण के लिए समर्पित संगठन विश्व मांगल्य सभा की स्थापना 2010 में स्वामी जितेंद्र नाथ महाराज ने की थी। यह संगठन आज देश के प्रांतों में सामाजिक सांस्कृतिक एवं वैचारिक क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन के लिए अपनी गतिविधियां संचालित कर रहा है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

निशाना

दुनिया के मेले में

दिनेश मालवीय 'अश्क'

और इंसां खोये क्या दुनिया के मेले में
बिक गया क़िरदार ही जब चार धेले में।
दिखता है खुश कि बच गया करके गुनह सारे
पर कहीं रोता है वो छुप कर अकेले में।
नाज़ अपनी पारसायी पर उसे था खूब
बह गया वहशी हवस के एक रेले में।
कोशिशों में सबको खुश करने की क्या कहिए
समझे ना अपनी खुशी दुनिया की दे-ले में।
महल था चाँदी का जिनका ख़ादिमों की फौज
वो पड़े रहते हैं पीकर अब तबेले में।
जिसको देखो उसके पीछे भागता जाए
क्या रखा है राम जाने उसके थेले में।
हो मुबारक़ 'अश्क' अपनी पीठ तुम ठोंको
तुम पड़े ना दुनिया के झूठे। झमेले में।

इनोवेशन

स्टूडेंट ने तैयार की नमी और कोहरे से सिंचाई का पानी तैयार करने की उपयोगी तकनीक

पानी की कमी आज के समय में पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। खासतकर रेगिस्तानी और सूखे इलाकों में, जहां बारिश नाममात्र की होती है, वहां खेती करना असंभव होता जा रहा है। इस समस्या को सुलझाने के लिए खोजी गई एक अनोखी तकनीक ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इस तकनीक की खासियत है कि इसकी मदद से हवा में मौजूद नमी और कोहरे से सिंचाई के लिए पानी तैयार किया जा सकता है। हैरान करने वाली बात है कि इस तकनीक को चीन के एक 14 साल के स्टूडेंट ने तैयार किया है, जो भविष्य में खेती के तरीके और सूरत दोनों को पूरी तरह बदल सकती है।

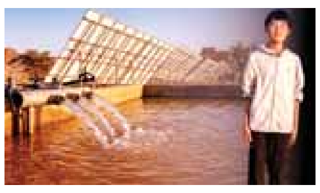

इस तकनीक की खासियत है कि यह जमीन के नीचे मौजूद पानी या बारिश पर निर्भर नहीं रहती।यह हवा में मौजूद नमी और कोहरे की मदद से पानी बनाती है। इसमें एक खास तरह के मटेरियल का इस्तेमाल किया जाता है। यह खास मटेरियल हवा से पानी की भाप को सोखकर उसे कंडेंस करता है और पीने या खेती के लायक पानी में बदल देता है। यह तकनीक बेहद शुष्क इलाकों के लिए वरदान साबित हो सकती है।? 14 साल के इस चीनी स्टूडेंट की तकनीक की तारीफ दुनियाभर की वैज्ञानिक बिरादरी कर रही है। यह तकनीक साबित करती है कि कैसे युवा प्रतिभाएं अपनी नई सोच से पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं को दूर कर सकती है। भविष्य में खेती के तरीके को पूरी तरह से बदल सकती है। इससे हवा में मौजूद नमी का बेहतर तरीके से इस्तेमाल किया जा सकेगा। इसकी वजह से मौजूदा जल स्त्रोतों पर निर्भरता कम होगी। इसके अलावा इस तकनीक की मदद से सूखा प्रभावित और कम बारिश वाले इलाकों में भी खेती संभव हो सकेगी, जो कि खाद्य संकट को भी दूर करेगी। इससे ऐसी कृषि को बढ़ावा मिलेगा जो पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाती। रिपोर्ट्स के अनुसार चीन पिछले कई सालों से कृषि तकनीकों, बेहतर जल प्रबंधन और सस्टेनेबल मॉडल्स पर लगातार निवेश कर रहा है।

तेजी से बढ़ती आबादी, जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव और रेगिस्तान के विस्तार से निपटने के लिए चीन ऐसी नई तकनीकों को बढ़ावा दे रहा है।

यह नया इनोवेशन न केवल चीन के शुष्क इलाकों के लिए उम्मीद की किरण है, बल्कि दुनिया भर के उन देशों के लिए भी एक बेहतरीन मॉडल है जो पानी की भारी किल्लत से जूझ रहे हैं।

अजब - गजब

जापान का एक ऐसा भी गांव, जहां इंसानों से भी ज्यादा मशहूर हैं लोमड़ियां

जापान के मियागी प्रांत में स्थित ज़ाओ फॉक्स विलेज दुनिया की सबसे अनोखी जगहों में गिना जाता है। यहां इंसानों से ज्यादा चर्चा सैकड़ों लोमड़ियों की होती है। लगभग 100 से अधिक लोमड़ियां इस गांव में खुले वातावरण में रहती हैं और पर्यटकों के बीच बिना किसी डर के घूमती दिखाई देती हैं।

इस गांव की सबसे खास बात यह है कि यहां लोमड़ियों को पिंजरों में बंद नहीं रखा जाता। वे जंगल जैसे प्राकृतिक माहौल में स्वतंत्र रूप से रहती हैं। आने वाले पर्यटक तय नियमों का पालन करते हुए इनके बीच घूम सकते हैं और इन्हें करीब से देख सकते हैं। हालांकि सुरक्षा के लिए लोमड़ियों को छूने या गोद में लेने की अनुमति नहीं होती।

जापानी संस्कृति में लोमड़ी को विशेष महत्व प्राप्त है। माना जाता है कि लोमड़ी सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक होती है। यही कारण है कि इस गांव को देखने हर साल दुनिया भर से हजारों पर्यटक पहुंचते हैं। खासकर सर्दियों में बर्फ से ढका यह गांव और सफेद बर्फ पर दौड़ती लाल-भूरी लोमड़ियां बेहद आकर्षक दृश्य प्रस्तुत करती हैं। यहां विभिन्न प्रजातियों की लोमड़ियां रहती हैं, जिनमें रेड फॉक्स, सिल्वर फॉक्स और प्लैटिनम फॉक्स प्रमुख हैं। गांव के कर्मचारी इनकी नियमित देखभाल करते हैं और इनके भोजन व स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखते हैं। पर्यटन विशेषज्ञों का मानना है कि यह गांव इस बात का उदाहरण है कि यदि वन्यजीवों के लिए प्राकृतिक वातावरण सुरक्षित रखा जाए तो वे इंसानों के साथ भी संतुलित तरीके से रह सकते हैं। यही वजह है कि जापान का यह छोटा-सा गांव आज दुनिया के सबसे अनोखे पर्यटन स्थलों में शामिल हो चुका है।

झाबुआ जिले के पेटलावद की घटना, पुलिस पड़ताल में जुटी

रात में गर्लफ्रेंड के घर में जनपद अध्यक्ष के पति ने मचाया बवाल, बचाने आए दोस्त की हत्या

झाबुआ। दोपहर मेट्रो

जिले के पेटलावद में एक महिला के घर में घुसकर बेरहमी से मारपीट किए जाने और महिला को बचाने आए व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। हत्या व मारपीट करने का आरोप धार जिले की सरदार जनपद पंचायत अध्यक्ष के पति देवा सिंगाड़ व उसके साथियों पर है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी देवा सिंगाड़ सहित अन्य पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

घायल महिला ने पुलिस को बताया है कि वो रात के समय अपने घर में थी उसके साथ उसका दोस्त हरिराम लहेटा (55) निवासी धुलेट गांव भी था। देर रात करीब 5 लोगों ने उनके घर में जबरन घुसने की कोशिश की। आगे का दरवाजा नहीं खोलने पर आरोपी पीछे के रास्ते से घर के अंदर आ गए और अचानक हमला कर दिया। आरोपियों ने घर में रखी लकड़ी और मोगरी से उस पर व बीच-बचाव कर रहे हरिराम पर ताबड़तोड़ वार किए, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

14 साल से आरोपी से थे प्रेम संबंध, 1 साल पहले बनाई दूरी

महिला ने पुलिस को बताया कि मुख्य आरोपी देवा पिता थावरिया सिंगाड़ के साथ वह करीब 14 साल से संपर्क में थी। हालांकि पिछले करीब एक साल से आरोपी देवा से पूरी तरह दूरी बना ली थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच पिछले कई महीनों से विवाद चल रहा था। जिसने रात को हिंसक रूप ले लिया। महिला के मुताबिक वो और हरिराम 31 जुलाई को उज्जैन दर्शन के लिए गए थे और 1 अगस्त की शाम को ही वापस लौटे थे। महिला का देवा से दूर होना और हरिराम का उसका सहयोगी बनना आरोपी को रास नहीं आया।

आरोपी ने परिजन को धमकाया

मृतक हरिराम के पुत्र राजू ने बताया कि आरोपी उनके धुलेट स्थित घर पर भी आए थे और गाली-गलौज करने के बाद चले गए। इसके बाद रविवार सुबह करीब 5 बजे पेटलावद अस्पताल से फोन आया कि उनके पिता की हालत गंभीर है। इसके बाद वे वापस पेटलावद पहुंचे। आरोपियों की दबंगई का आलम यह था कि सुबह होते ही दोबारा हरिराम के घर पहुंचे और परिजन को धमकाया। घायल महिला के बयानों के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी देवा पिता थावरिया सिंगाड़ और अन्य साथियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। देवा सिंगाड़ सरदार जनपद अध्यक्ष का पति है और बताया जा रहा है कि भाजपा नेता है।

न्यूज विंडो

नशा मुक्त भारत के निर्माण का लिया संकल्प, नशे से दूर रहने की ली शपथ

गंजबासौदा। नगर के संट एस.आर.एस. पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल में विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा संकल्प अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं को नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प दिलाया गया। साथ ही सभी ने स्वयं नशा नहीं करने और दूसरों को भी इसके दुष्प्रभावों से जागरूक करने की शपथ ली। संस्था संचालक के.एस. यादव ने नशे के शारीरिक, मानसिक, आर्थिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से योग, व्यायाम, प्रकृति से जुड़ाव और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति ने हमें स्वास्थ्यवर्धक और पौष्टिक आहार का अनमोल उपहार दिया है, इसलिए नशीले पदार्थों से दूर रहकर स्वस्थ एवं आनंदमय जीवन जीना चाहिए। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी कृष्णपाल सिंह चौहान ने कहा कि नशे की बढ़ती प्रवृत्ति से परिवार टूट रहे हैं और युवा असमय मृत्यु का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं जागरूक बनने और समाज में नशामुक्ति का संदेश फैलाने की अपील की। व्याख्याता श्रीमती रंजू राठौर ने अपनी प्रेरणादायी कविताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया। उन्होंने कहा, आनंद का स्रोत हमारे भीतर और प्रकृति में विद्यमान है, फिर भी व्यक्ति नशीले पदार्थों की ओर आकर्षित होकर अपने जीवन और स्वास्थ्य को स्वयं नुकसान पहुंचा रहा है।

विवादित बयान को लेकर विरोध मौलाना पर सख्त कार्रवाई की मांग

जबलपुर। जबलपुर में विवादित बयान ने पुल पकड़ लिया है। मौलाना जर्जिस अंसारी द्वारा भगवान श्रीकृष्ण और भगवान शिव को लेकर दिए गए कथित विवादित बयान का विरोध तेज हो गया है। हिंदू संगठनों के साथ ही मुस्लिम समुदाय के कुछ राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं ने भी बयान की निंदा करते हुए मौलाना के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के नगर महामंत्री मुज़म्मिल अली ने बयान की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण और भगवान शिव के संबंध में आपत्तिजनक और भ्रामक बातें करना गलत है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह के बयान केवल मीडिया में सुर्खियां बटोरने और समाज का माहौल बिगाड़ने के उद्देश्य से दिए जाते हैं।

सुरक्षा गार्डों पर चाकू से किया हमला, दो आरोपी गिरफ्तार

धार। जिले के पीथमपुर में परसरामपुरिया कंपनी के बाहर सुरक्षा गार्डों पर चाकू से हमला करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के गहन विश्लेषण के बाद की गई। यह घटना 30 जुलाई की रात को हुई थी। परसरामपुरिया कंपनी के सामने तीन संदिग्ध युवक घूम रहे थे। ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा गार्डों ने जब उन्हें रोका और पूछताछ की, तो युवकों ने विवाद शुरू कर दिया। इसके बाद तीनों आरोपियों ने गार्डों के साथ मारपीट की और चाकू से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। हमलावर वारदात के बाद मौके से फरार हो गए थे। घटना की सूचना मिलते ही पीथमपुर पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से आरोपियों की पहचान की। घेराबंदी कर ग्राम सोंडुल (मनावर) निवासी 22 वर्षीय रोहित अचाले (पिता सखाराम अचाले) और ग्राम देगावा (धरमपुरी) निवासी 25 वर्षीय जतिन शर्मा (पिता महेंद्र शर्मा) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इस मामले में अपराध क्रमांक 348/2026 दर्ज किया है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 296, 118(1), 119(1) और 3(5) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। इस वारदात में शामिल तीसरे आरोपी की भी पहचान कर ली गई है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

दक्ष यज्ञ से नृसिंह लीला तक शिव महिमा का किया वर्णन, उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

गंजबासौदा। श्रावण मास के पावन अवसर पर वार्ड 21 स्थित श्री राम-जानकी मंदिर, खेड़ापति गौधाम में आयोजित 27 दिवसीय शिव महोत्सव के चौथे दिन भगवान शिव के वीरभद्र एवं शरभ अवतार की दिव्य कथाओं ने श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। शिव कथा वाचक पं. धर्मेन्द्र भार्गव ने दक्ष यज्ञ से लेकर भगवान नृसिंह लीला तक का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि भगवान शिव केवल संहार के देव नहीं, बल्कि धर्म, न्याय, करुणा और सृष्टि के संतुलन के भी आधार हैं। कथा के दौरान पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं पूजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पूरा मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान रहा। कथावाचक ने दक्ष यज्ञ प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा कि राजा दक्ष द्वारा भगवान शिव का अपमान और माता सती के आत्मदाह के बाद शिव के क्रोध से उनकी जटाओं से महापराक्रमी वीरभद्र प्रकट हुए। वीरभद्र ने दक्ष के यज्ञ का विध्वंस कर यह संदेश दिया कि अहंकार, अन्याय और ईश्वर के प्रति अनादर का अंत निश्चित है तथा धर्म की प्रतिष्ठा सर्वोपरि है। कथा के अगले प्रसंग में पं. भार्गव ने भगवान शिव के दुर्लभ शरभ अवतार का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने बताया कि हिरण्यकशिपु का वध करने के बाद भगवान नृसिंह का उग्र स्वरूप शांत नहीं हो रहा था, जिससे तीनों लोकों में भय और असंतुलन फैल गया।

अवैध शराब पर आबकारी विभाग की कार्रवाई, दस प्रकरण दर्ज

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और संग्रहण के खिलाफ आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 प्रकरण दर्ज किए हैं। कार्रवाई के दौरान 80 लीटर हाथ भट्टी शराब और 4,250 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 4.41 लाख रुपये बताई गई है।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग की टीम ने इटारसी शहर एवं औद्योगिक क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया। इस दौरान गरीबी लाइन, नाला मोहल्ला, सूरजगंज और ग्राम माहौला पंडरी में दबिश देकर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) (क) एवं 34(1) (च) के तहत कुल 10 प्रकरण दर्ज किए गए।

आबकारी विभाग ने बताया कि जब्त की गई अवैध शराब और महुआ लाहन को विधि अनुसार कब्जे में लिया गया है। विभाग का कहना है कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और भंडारण के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इस कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी रमेश अहिरवार, आबकारी उपनिरीक्षक के. के. पड़रिया सहित विभाग के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अवैध खनिज परिवहन व उत्खनन पर प्रशासन का शिकंजा, तीन वाहन जब्त

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले में रेत एवं अन्य गौण खनिजों के अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ जिला प्रशासन का अभियान लगातार जारी है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर खनिज विभाग ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए तीन वाहनों को जब्त किया है।

एमपी 04एचई 5024 को गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा। वाहन को जब्त कर सुरक्षा की दृष्टि से क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) परिसर में खड़ा कराया गया।

इसी दौरान ग्राम रायपुर में अवैध रूप से रेत का उत्खनन करते हुए एक वाहन को भी जब्त किया गया। इस वाहन को पुलिस थाना देहात नर्मदापुरम की अभिरक्षा में रखा गया है। वहीं फोरलेन मार्ग पर डंपर क्रमांक एमपी16ई 5029 को गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया। इस वाहन को भी जब्त कर आरटीओ परिसर में सुरक्षित रखा गया है।

खनिज विभाग के अनुसार जब्त किए गए सभी वाहनों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई में खनि निरीक्षक बसंत पाटिल, प्रभारी खनि निरीक्षक कृष्णकांत परस्ते तथा खनि सिपाही हेमंत राज की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अवैध हूटर, ब्लैक फिल्म और फैंसी नंबर प्लेट पर पुलिस का शिकंजा

पहले दिन 195 वाहनों पर कार्रवाई 81,800 रुपए का जुर्माना वसूला

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले में अवैध हूटर, ब्लैक फिल्म, फैंसी नंबर प्लेट और वीआईपी स्टिकर लगाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ पुलिस ने विशेष अभियान शुरू कर दिया है। अभियान के पहले ही दिन 195 वाहनों पर चालानी कार्रवाई करते हुए 81 हजार 800 रुपये का जुर्माना वसूला गया। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर 1 से 10 अगस्त तक चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत जिले के प्रमुख मार्गों और चौराहों पर सघन वाहन जांच की गई। इस दौरान निजी वाहनों में लगे अवैध हूटर, सायरन, फ्लैशर लाइट, सरकारी व वीआईपी स्टिकर, पदनाम, मोनोग्राम, नियम विरुद्ध नंबर प्लेट तथा चार पहिया वाहनों के शीशों पर लगी ब्लैक फिल्म की विशेष जांच की गई।

कार्रवाई के दौरान अवैध हूटर लगे एक वाहन, ब्लैक फिल्म लगे 25 वाहन तथा गलत नंबर प्लेट, अनधिकृत पदनाम और एचएसआरपी नंबर प्लेट नहीं होने के 33 मामलों में वैधानिक कार्रवाई की गई। इसके अलावा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ भी चालान बनाए गए। यह अभियान पुलिस अधीक्षक साईंकृष्ण एस. थोटा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन के मार्गदर्शन तथा उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) संतोष मिश्रा के नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है।

पुलिस का कहना है कि अभियान का उद्देश्य मोटर वाहन अधिनियम का प्रभावी पालन सुनिश्चित करना, विशेषाधिकार का झूठा प्रदर्शन करने वाले वाहनों पर रोक लगाना तथा सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित एवं अनुशासित बनाना है। पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे अपने निजी वाहनों से अनधिकृत हूटर, सायरन, फ्लैशर लाइट, वीआईपी अथवा सरकारी स्टिकर, पदनाम, मोनोग्राम, नियम विरुद्ध नंबर प्लेट और ब्लैक फिल्म तुरंत हटवा लें। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि 10 अगस्त तक यह विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

महिलाओं और युवाओं ने बढ़ते नशे के कारोबार के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

बालाघाट। दोपहर मेट्रो

बालाघाट शहर के वार्ड क्रमांक-10 रजा नगर की मुस्लिम महिलाएं और जागरूक युवा देर शाम कोतवाली पहुंचे। उन्होंने क्षेत्र में बढ़ते नशे के कारोबार और नशेड़ियों के आतंक पर नाराजगी जताते हुए पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। महिलाओं का आरोप है कि नशा करने से रोकने पर एक युवक तलवार लेकर उनके घर में घुस आया। इस घटना से आक्रोशित महिलाओं ने पुलिस को ज्ञापन सौंप सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मेट्रो एंकर सावन में मां नर्मदा कांवड़ यात्रा के उपलक्ष्य में किया आयोजन, 8 व 16 अगस्त को निकलेंगी कांवड़ यात्राएं

जाखला धाम के विशाल भंडारे में बड़ी संख्या में उमड़े श्रद्धालु

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

श्रावण मास में मंडीदीप और आसपास का क्षेत्र पूरी तरह शिव की भक्ति में लीन हो गया। मंडीदीप धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला के बीच बीते दिन योग पर्यावरण युवा सेवा समिति के तत्वावधान में जाखला धाम हनुमान मंदिर परिसर में माँ नर्मदा कांवड़ यात्रा के उपलक्ष्य में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें नगरवासियों ने हिस्सा लिया। जाखला धाम पर चल रहे भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं नगरवासियों ने प्रसाद ग्रहण किया। सुबह से ही जाखला धाम में श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया था। समिति के स्वयंसेवकों ने कांवड़ यात्रियों एवं मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए प्रसादी वितरित की। पूरे आयोजन के दौरान भक्ति, सेवा और सामाजिक समरसता का वातावरण बना रहा।

समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि सावन माह में माँ नर्मदा कांवड़ यात्रा का विशेष धार्मिक महत्व है। भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए नर्मदा जल लेकर निकलने वाले कांवड़ियों की मां नर्मदा कांवड़ यात्रा हेतु भंडारे में उपस्थित श्रद्धालुजन।

सेवा को पुण्य का कार्य मानते हुए प्रतिवर्ष अनुसार इस साल भी विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। समिति के रामनिवास पाल ने जानकारी दी कि आगामी 8 अगस्त को नगर में भव्य माँ नर्मदा कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा में बड़ी संख्या में शिवभक्त शामिल होंगे और भगवान भोलेनाथ के जयघोष के साथ नगर के प्रमुख मार्गों से यात्रा निकलेगी। इसके लिए तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

इधर, द्वितीय वर्ष आयोजित होने वाली भोजेश्वर डाक कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर सतलापुर खेड़ापति माता मंदिर परिसर में बैठक आयोजित की गई। बैठक में यात्रा की रूपरेखा, सुरक्षा व्यवस्था, अनुशासन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी सदस्यों ने यात्रा को सफल बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव दिए तथा जिम्मेदारियां भी तय की गईं। यात्रा संयोजक वीरेंद्र किर ने बताया कि 16 अगस्त को मंडीदीप एवं आसपास के क्षेत्रों के शिवभक्त पवित्र माँ नर्मदा घाट से जल लेकर द्वितीय भोजेश्वर डाक कांवड़ यात्रा का शुभारंभ करेंगे। यात्रा निर्धारित मार्ग से होते हुए 17 अगस्त को भोजपुर स्थित भोजेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेगी, जहां भगवान शिव का जलाभिषेक कर यात्रा का समापन होगा।

न्यूज विंडो

मंडला में सांड ने बुजुर्ग को किया जख्मी, महिला बाल-बाल बची

मंडला। शहर के भगत सिंह वार्ड में एक सांड ने उत्पात मचाया। सांड के हमले में एक महिला घायल हो गई, जबकि स्कूटी से गुजर रहे एक बुजुर्ग भी इसकी चपेट में आकर चोटिल हो गए। यह पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जानकारी के अनुसार, माधुरी पमनानी किसी काम से घर से निकली थीं। सड़क पर सांड़ को देखकर वे रुक गईं, तभी अचानक सांड ने उन पर हमला कर दिया। महिला ने सूझबूझ दिखाते हुए पास खड़ी एक स्कूटी की आड़ लेकर अपनी जान बचाई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गया है।

10 सुरक्षा गार्ड्स को नहीं मिला चार माह से वेतन आर्थिक संकट गहराया

पांढुर्णा। जिले के चार सरकारी अस्पतालों- पांढुर्णा, नंदनवाड़ी, तिगांव और सिवनी में तैनात 10 सुरक्षा गार्डों को पिछले चार महीने से वेतन नहीं मिला है। अप्रैल से जुलाई तक का वेतन रुकने की वजह से इन कर्मचारियों के सामने भारी आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। बीएमओ डॉ. मनीष मरावी ने रविवार को बताया कि संबंधित ठेकेदार को सुरक्षा कर्मियों का बकाया वेतन तुरंत देने के निर्देश दे दिए गए हैं।

सिवनी पुलिस ने बकरी चोर गिरोह के सदस्यों को किया गिरफ्तार

सिवनी। जिले के छपारा थाना पुलिस ने 13 बकरों की चोरी के मामले का खुलासा करते हुए अंतर-जिला पशु चोर गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई कार भी जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने चोरी किए गए बकरों को जबलपुर ले जाकर काट दिया और उनका मांस बेच दिया था।

अज्ञात कारणों से युवक ने लगाई फांसी, पड़ताल जारी

तेंदूखेड़ा। तेजगढ़ थाना क्षेत्र की इमलिया चौकी अंतर्गत एक युवक द्वारा अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेने का घटनाक्रम सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही इमलिया चौकी पुलिस मौके पहुंची घटना के संबंध में जानकारी अनुसार महेंद्र सिंह पिता जवाहर सिंह लोधी उम्र 45 वर्ष निवासी अर्थखेड़ा चौकी इमालिया थाना तेजगढ़ की जिसने अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर जान दे दी है। पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर पंचनामा कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेजा गया जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मक्का, धान, उड़द सहित अन्य फसलों को कीट एवं रोगों से बचाने का प्रयास

खेतों को संवारने में जुट गए किसान फसलों में दवाइयों का छिड़काव तेज

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

क्षेत्र में खरीफ फसलों की बढ़वार के साथ ही किसान अब उनकी देखभाल और सुरक्षा में जुट गए हैं। मक्का, धान, उड़द सहित अन्य फसलों में कीट एवं रोगों से बचाव के लिए खेतों में दवाइयों का छिड़काव किया जा रहा है। किसान इन दिनों अपना अधिकांश समय खेतों में बिताकर फसलों की निगरानी और आवश्यक कृषि कार्यों में लगे हुए हैं।

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, फसल की इस अवस्था में समय पर कीटनाशक एवं फफूंदनाशक दवाओं का संतुलित उपयोग करने से उत्पादन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसी कारण क्षेत्र के अधिकांश किसान मौसम को ध्यान में रखते हुए फसलों की देखरेख में विशेष सावधानी बरत रहे हैं। ग्राम नरगुँवा के किसान राजकुमार लोधी ने बताया कि इस वर्ष उन्होंने पारंपरिक फसलों के साथ पहली बार औषधीय फसल चिया सीड की खेती की है। उन्होंने बताया कि इस फसल का बीज विशेष रूप से नीमच से

मंगवाया गया है। नई फसल होने के कारण इसकी देखभाल पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है और बेहतर उत्पादन की उम्मीद है। इसके साथ ही सहजपुर के किसान गुड्डू दुबे, रघुनाथ पाल ने मक्का की फसल बोई है जिसकी निदाई, गुड़ाई का कार्य जोरों पर चल रहा है साथ ही दवाइयां का समय पर छिड़काव किया जा रहा। किसानों का कहना है कि यदि मौसम अनुकूल रहा और समय पर आवश्यक कृषि कार्य पूरे होते रहे तो इस वर्ष खरीफ फसलों की अच्छी पैदावार मिलने की संभावना है। वहीं कृषि विभाग भी किसानों को समय-समय पर वैज्ञानिक तरीके से फसल प्रबंधन, संतुलित उर्वरक उपयोग एवं रोग-कीट नियंत्रण संबंधी सलाह दे रहा है, जिससे उत्पादन और गुणवत्ता दोनों में सुधार हो सके। क्षेत्र के किसानों का मानना है कि आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने और नई फसलों की खेती की ओर बढ़ते कदम भविष्य में आय बढ़ाने के साथ खेती को अधिक लाभकारी बनाने में महत्वपूर्ण साबित होंगे।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म और धोखाधड़ी करने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को तेंदूखेड़ा पुलिस ने भोपाल के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र की रहने वाली एक युवती ने 25 अप्रैल 2026 को अपनी मां के साथ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी। युवती जबलपुर के एक पैरामेडिकल कॉलेज में अध्ययनरत है। शिकायत के मुताबिक, उसकी रिश्तेदारी आरोपी राम कँकन विश्वकर्मा, निवासी ग्राम सिदूवाहा, जिला ललितपुर (उत्तर प्रदेश) के यहां थी। एक ही समाज से होने के कारण दोनों की पहले

से पहचान थी। इसी दौरान दोनों के बीच फोन पर बातचीत शुरू हुई और धीरे-धीरे दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गईं। आरोप है कि 6 मार्च 2025 को युवती के घर पर कोई नहीं था। इसी दौरान आरोपी वहां पहुंचा और शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद वह लगातार शादी का भरोसा देकर करीब 10 माह तक युवती का शारीरिक शोषण करता रहा। युवती के अनुसार, दिसंबर 2025 में उसे जानकारी मिली कि आरोपी की शादी किसी अन्य युवती से तय हो गई है। 25 दिसंबर को जब उसने आरोपी से इस संबंध में बात की तो पहले उसने टालमटोल की और बाद में शादी से साफ इनकार कर दिया। इसके बाद आरोपी ने उससे पूरी तरह संपर्क समाप्त कर लिया। युवती ने बताया कि पिता की बीमारी और सामाजिक बदनामी के डर से वह लंबे समय तक चुप रही। बाद में उसने अपनी मां को पूरी घटना बताई, जिसके बाद थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। मामला दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार चल रहा था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने दबिश देकर आरोपी राम कँकन विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर लिया।

सरकारी नौकरी दिलवाने के नाम पर ठगी करने वाले को दबोचा

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

जिले की मुंगवानी थाना पुलिस ने सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह आरोपी लोगों को सरकारी विभागों में नौकरी का झांसा देकर उनसे मोटी रकम वसूलता था। पुलिस के अनुसार, मुंगवानी थाने में दर्ज अपराध दर्ज कर कार्रवाई की गई।

ग्रामीणों ने उठाए सवाल

घुनगुटी में कोयला खदान के लिए डेढ़ लाख रुपए प्रति एकड़ मुआवजे की चर्चा तेज

उमरिया। दोपहर मेट्रो

पाली तहसील के घुनगुटी क्षेत्र में जेके सीमेंट द्वारा कोयला खदान संचालन किए जाने की चर्चा के बीच भूमि मुआवजे को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों के अनुसार खदान के लिए जमीन के बदले करीब डेढ़ लाख रुपये प्रति एकड़ की दर से मुआवजा दिए जाने की बात सामने आ रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि उक्त राशि सही है तो जिला प्रशासन को इसकी जांच करनी चाहिए कि मुआवजा किस आधार पर निर्धारित किया गया है तथा क्या यह वर्तमान बाजार मूल्य और लागू नियमों के अनुरूप है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से भूमि की कलेक्टर गाइडलाइन, बाजार मूल्य, भूमि की प्रकृति, फसल एवं अन्य परिसंपत्तियों को ध्यान में रखते हुए मुआवजा निर्धारण की प्रक्रिया की जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि खनन परियोजना से प्रभावित परिवारों के हितों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। जिला प्रशासन को मामले का संज्ञान लेकर मुआवजा निर्धारण का आधार स्पष्ट करना चाहिए, ताकि ग्रामीणों में व्याप्त असमंजस दूर हो सके।

करण रैकवार मौत मामला: मांझी समाज ने एसपी को सौंपा ज्ञापन, निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

थाना कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ट्रेन से कटकर हुई युवक करण रैकवार की संदिग्ध मौत के मामले में म.प्र. मांझी जनजाति संयुक्त संघर्ष समिति ने मोर्चा खोल दिया है। संगठन के पदाधिकारियों और परिजनों ने नरसिंहपुर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, किसानी वार्ड, नरसिंहपुर निवासी करण रैकवार (उम्र 25 वर्ष) की 22 जुलाई 2026 को संदिग्ध परिस्थितियों में ट्रेन से कटकर मौत हो गई थी। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने मर्ग क्रमांक 54/26 कायम किया था।

परिजन (राजेन्द्र, गोविंद, मनीषा, राजकुमार आदि) का आरोप है कि 23 जुलाई 2026 को पुलिस प्रशासन द्वारा उन्हें लिखित आश्वासन दिया गया था कि मामले की निष्पक्ष जांच होगी और यदि

करण को आत्महत्या के लिए उकसाया गया था या उस पर कोई दबाव बनाया गया था, तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आजाद वार्ड कन्देली, नरसिंहपुर निवासी विकास श्रीवास्तव (पिताः राजू श्रीवास्तव) और राजू श्रीवास्तव (पोहा वाले) का नाम अनावेदक के रूप में शामिल किया गया है। परिजनों का आरोप है कि बयान और साक्ष्य देने के बावजूद पुलिस द्वारा अब तक कोई ठोस या संतोषजनक कार्रवाई नहीं की गई है और न ही आरोपियों के खिलाफ कोई स्नढ्ढक्र दर्ज की गई है, जिससे परिजनों में भारी असंतोष है। मर्ग जांच किसी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मार्गदर्शन में त्वरित और निष्पक्ष तरीके से कराई जाए। मृतक को प्रताड़ित करने और आत्महत्या के लिए विवश करने वाले दोषियों को चिन्हित कर तत्काल केय दर्ज किया जाए। ज्ञापन सौंपते समय प्रदेश उपाध्यक्ष गौरव रेकवार जिलाध्यक्ष देवीप्रसाद कहार (बबलू),राकेश कहार विक्की कहार राजकुमार रैकवार, पंकज राजेन्द्र, हेमंत, विवेक, शिवा, अनुराग गौर, आदर्श, नीरज कश्यप, संजू प्रजापति, दीपक कहार, चेतराम, विनीत और सुदाम प्रसाद सहित संगठन के कई पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

सांप के काटने से महिला की मौत, केस दर्ज

तारादेही/तेंदूखेड़ा। ग्राम चंदना में एक महिला की सांप के काटने से मौत हो जाने का घटनाक्रम सामने आया है घटना की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार सूरजरानी पति गोपी ठाकुर उम्र 65 वर्ष निवासी चदना थाना तारादेही जिसे घर के अंदर दोपहर 3 बजे सांप डंस लिया, जहां महिला को परिजनों इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेन्दूखेड़ा लेकर आए, लेकिन रास्ते में महिला ने दमतोड़ दिया और डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

कार्यालय संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण, भोपाल संभाग भोपाल
सेकण्ड स्टॉप, तुलसीनगर भोपाल म.प्र.
कार्यालव दूरभाष 0755-2778106, 2775964 फैक्स नं. 0755-2775426
ईमेल jddplbho-mp@nic.in

क्रमांक/क्रीड़ा/निविदा/ रर्शे/2026-27/4134 — भोपाल, दिनांक 30/07/2026

ई - निविदा की विज्ञप्ति

कार्यालय संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण, भोपाल सम्भाग, भोपाल द्वारा वर्ष 2026-2027 में आयोजित होने वाले विभिन्न खेलो की सम्भाग स्तरीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में जिले से चयनित खिलाड़ियों को स्पोर्टस किट (ट्रेकसूट एवं टी शर्ट) वितरण हेतु निविदा आमंत्रित (Tender Id : 2026_DPI_525535_1) की जा रही है। निविदा की विस्तृत शर्ते mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

बिड से सम्बन्धित जानकारी :

क्र.	बिड का विवरण	विवरण
1.	बिड जारी करने की तारीख	03/08/2026
2.	तकनीकी बिड खुलने की तारीख एवं समय	27/08/2026
3.	कार्यालय का नाम	कार्यालय संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण, भोपाल सम्भाग, भोपाल
4.	सम्भाग स्तर पर चाही गई सामग्री का विवरण	स्पोर्टस किट (ट्रेकसूट एवं टी शर्ट) अधिकतम निर्धारित राशि रूपये 750/- किट (समस्त कर सहित)
5.	EMD	राशि रू 60,000/-

(धर्मेन्द्र शर्मा)
संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण,
भोपाल सम्भाग, भोपाल

जी-16593/26 — मध्यप्रदेश शासन के आदेशानुसार जनहित में प्रकाशित

मेट्रो एंकर

प्राचीन पिपलेश्वर महादेव मंदिर बना आस्था का केंद्र, लगी भक्तों की कतार

शिवालयों में गूंजे बम-बम भोले के जयकारे

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के थाना परिसर में स्थित प्राचीन पिपलेश्वर महादेव मंदिर आज भी श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। लगभग 75-76 वर्ष पुराने इस मंदिर को नगर का पहला और सबसे प्राचीन शिव मंदिर माना जाता है। सावन माह में यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन, पूजन और अभिषेक के लिए पहुंच रहे हैं। विशेष रूप से सावन के प्रत्येक सोमवार को मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलती हैं। श्रद्धालुओं की मान्यता है कि यहां सच्चे मन से पूजा-अर्चना करने पर भगवान पिपलेश्वर महादेव सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

जानकारी के अनुसार जब तेन्दूखेड़ा एक छोटे से गांव के रूप में था, उस समय थाना परिसर में इस मंदिर की स्थापना हुई थी। मंदिर का निर्माण तत्कालीन थाना कर्मी स्वर्गीय पंडित कन्हैयालाल तिवारी दाढ़ी वाले मुंशीजी, निवासी चदोरा जिला दमोह ने कराया था। उन्होंने भेड़ाघाट से शिवलिंग लाकर यहां विधिवत स्थापना कराई थी। उस समय नगर में कोई अन्य शिव मंदिर नहीं था, इसलिए यह मंदिर नगर के प्रथम शिव मंदिर के रूप में प्रसिद्ध हुआ। समाजसेवी मदन नामदेव के अनुसार, मंदिर में स्थापित काले पत्थर का शिवलिंग अपनी विशिष्ट बनावट और प्राचीन स्वरूप के कारण श्रद्धालुओं को विशेष रूप से आकर्षित करता है। वर्षों से यह मंदिर नगरवासियों की धार्मिक आस्था और विश्वास का प्रतीक बना हुआ है। वर्ष 2016-17 में तत्कालीन थाना प्रभारी आर.पी. पांडे के कार्यकाल में मंदिर का जीर्णोद्धार कराया गया, जिससे इसका स्वरूप और अधिक आकर्षक हो गया। विशाल पीपल वृक्ष के नीचे स्थित होने के कारण मंदिर का नाम पिपलेश्वर महादेव मंदिर रखा गया। वर्तमान में नगर के समाजसेवियों और श्रद्धालुओं की समिति मंदिर की व्यवस्थाओं का संचालन करती है तथा प्रतिदिन सुबह-शाम आरती, सोमवार, महाशिवरात्रि और सावन के विशेष अवसरों पर महाआरती का आयोजन किया जाता है। थाना परिसर में स्थित होने के कारण इस मंदिर की एक विशेष परंपरा भी है। पुलिस विभाग में पदस्थ होने वाले अधिकारी और कर्मचारी किसी भी कार्य की शुरुआत से पहले भगवान शिव के दर्शन कर आशीर्वाद लेते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है और इसे शुभ माना जाता है। इसी कारण पिपलेश्वर महादेव मंदिर धार्मिक आस्था के साथ-साथ नगर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का भी महत्वपूर्ण केंद्र बना हुआ है।

कॉमनवेल्थ गेम्स का समापन: 39 पदकों के साथ बॉक्सिंग-जूडो-वेटलिफ्टिंग में दिखा भारत का दबदबा

ग्लास्गो में भारत का स्वर्णिम परचम

मीराबाई से नीरज तक खिलाड़ियों ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी

स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 भारत के लिए यादगार साबित हुआ। भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 39 पदक अपने नाम किए और पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में भारत से आगे केवल ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और कनाडा रहे। इस बार कॉमनवेल्थ गेम्स में कुश्ती, बैडमिंटन और हॉकी जैसे पारंपरिक भारतीय मजबूत खेल शामिल नहीं थे, इसके बावजूद बॉक्सिंग, जूडो, वेटलिफ्टिंग और एथलेटिक्स में भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। भारत ने ग्लास्गो में 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक जीतकर अपने अभियान को शानदार अंदाज में समाप्त किया। खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने साबित कर दिया कि भारतीय खेल जगत लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाजों ने रिंग में जबरदस्त प्रदर्शन किया। विरोधी खिलाड़ियों पर भारतीय पंच भारी पड़े और बॉक्सिंग में भारत ने कुल 10 पदक हासिल किए। इनमें 7 स्वर्ण पदक शामिल रहे। महिला मुक्केबाजों ने विशेष रूप से शानदार प्रदर्शन किया। प्रीति पवार (54 किग्रा), जैस्मिन लंबोरिया (57 किग्रा), साक्षी चौधरी (51 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) और प्रिया घंघास (60 किग्रा) ने अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वहीं अनुभवी मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) ने रजत पदक हासिल किया। पुरुष वर्ग में सचिन सिवाच (60 किग्रा) और अंकुश (70 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीतकर भारत का गौरव बढ़ाया। जादूमणि सिंह (55 किग्रा) और नरेंद्र बेरवाल (+90 किग्रा) ने रजत पदक अपने नाम किए।

मीराबाई चानू ने दिलाया पहला स्वर्ण, वेटलिफ्टिंग में 8 पदक- वेटलिफ्टिंग में भारत का प्रदर्शन भी शानदार रहा। टोक्यो ओलंपिक की पदक विजेता मीराबाई चानू ने महिला 48 किग्रा वर्ग में अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए भारत को प्रतियोगिता का पहला स्वर्ण पदक दिलाया। वेटलिफ्टिंग में ऋषिकांत सिंह, राजा मुथुपांडी, ज्ञानेश्वरी यादव, वल्लुरी अजया बाबू, हरजिंदर कौर और लवप्रीत सिंह ने रजत पदक जीते। वहीं बिंदियारानी देवी ने कांस्य पदक हासिल किया। इस तरह वेटलिफ्टिंग टीम ने भारत की झोली में कुल 8 पदक डाले।

बॉक्सिंग में भारत का मुक्का सबसे मजबूत, मिले 7 स्वर्ण पदक

नीरज चोपड़ा और गुलवीर सिंह ने एथलेटिक्स में चमकाया नाम एथलेटिक्स में भारत के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। भाला फेंक स्पर्धा में उन्होंने रजत पदक जीता, जबकि इसी स्पर्धा में यशवीर सिंह ने कांस्य पदक अपने नाम किया। लंबी दूरी के धावक गुलवीर सिंह ने इतिहास रचते हुए एक ही कॉमनवेल्थ गेम्स में दो पदक जीते। उन्होंने 10 हजार मीटर दौड़ में रजत और 5 हजार मीटर दौड़ में कांस्य पदक हासिल किया। इसके अलावा ट्रिपल जंप में प्रवीण चित्रावेल ने रजत और सेल्वा प्रभु ने कांस्य पदक जीता। लंबी कूद में मुरली श्रीशंकर और हाई जंप में सरवेश कुशारे ने रजत पदक जीतकर भारत की पदक संख्या बढ़ाई।

पैरा एथलीटों ने दिखाया दमखम

पैरा एथलेटिक्स में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश का नाम रोशन किया। सोमन राणा (पुरुष शॉटपुट एफ-57), शर्मिला धनखड़ (महिला शॉटपुट एफ-57) और दिलीप महादू गावित (पुरुष 100 मीटर टी-47) ने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास बनाया। वहीं शुभम जुयाल और मोहम्मद बासिल ने रजत पदक जीते। पैरा पावरलिफ्टिंग में झंडू कुमार ने कांस्य पदक हासिल किया।

अंतिम दिन कुछ निराशा, लेकिन अभियान रहा यादगार

प्रतियोगिता के अंतिम दिन कुछ मुकाबलों में भारतीय खिलाड़ियों को निराशा हाथ लगी। जूडो में इशरूप नारंग, अवतार सिंह और यश घंघास पदक की दौड़ से बाहर हो गए। वहीं ट्रैक साइकिलिंग में हर्षवीर सिंह और दिनेश कुमार फाइनल में जगह नहीं बना सके। इसके बावजूद ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 भारत के लिए ऐतिहासिक रहा। 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदकों के साथ भारतीय खिलाड़ियों ने दुनिया को अपनी ताकत दिखाई और देशवासियों को गर्व करने का मौका दिया।

गेंदबाजों पर कहर बनकर टूटे अभिषेक शर्मा

91 गेंदों में 233 रन ठोक बनाया रिकार्ड 25 छक्केऔर 15 चौकों से मचाई सनसनी

अमृतसर , एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने घरेलू क्रिकेट में ऐसी तूफानी पारी खेली, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया। पंजाब स्टेट इंटर डिस्ट्रिक्ट सीनियर वनडे लिमिटेड ओवर्स टूर्नामेंट 2026-27 में अमृतसर मेन सीनियर की ओर से खेलते हुए अभिषेक ने तरन तारन मेन सीनियर के गेंदबाजों की जमकर धुनाई करते हुए सिर्फ 91 गेंदों में 233 रन ठोक दिए। यह मुकाबला रविवार को अमृतसर के गांधी ग्राउंड्स में खेला गया।

बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अपनी पारी में 25 गगनचुंबी छक्के और 15 शानदार चौके लगाए। यानी उन्होंने केवल चौकों और छक्कों से ही 210 रन बटोर लिए। उनका स्ट्राइक रेट 256.04 का रहा, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रमाण है। पारी की शुरुआत से ही उन्होंने विपक्षी गेंदबाजों पर हमला बोल दिया और किसी को भी वापसी का मौका नहीं दिया।

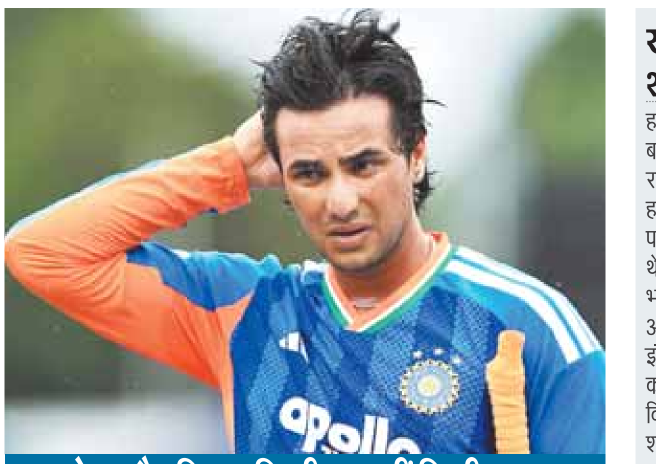

तेज और स्पिन, किसी पर नहीं दिखी रहम

तरन तारन के गेंदबाज पूरे मुकाबले में अभिषेक के सामने बेबस नजर आए। चाहे तेज गेंदबाज हों या स्पिनर, सभी की गेंदों को उन्होंने मैदान के हर कोने में पहुंचाया। उनके लंबे-लंबे छक्कों और आकर्षक शॉट्स ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। मैदान में मौजूद क्रिकेट प्रेमी उनकी हर बाउंड्री और छक्के पर तालियां बजाने को मजबूर हो गए। अभिषेक शर्मा की विस्फोटक पारी की बदौलत अमृतसर मेन सीनियर ने निर्धारित 50 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 533 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम की शुरुआत भी शानदार रही। सलामी बल्लेबाज अभय चौधरी ने 85 गेंदों में 93 रन बनाए और अभिषेक के साथ बड़ी साझेदारी निभाई। मध्यक्रम में अभिनव शर्मा ने 33 गेंदों पर 51 रन की तेज पारी खेली।

खराब दौर के बाद शानदार वापसी

हाल के समय में अभिषेक शर्मा का बल्ला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खामोश रहा था। जिम्बाब्वे के खिलाफ हालिया टी-20 सीरीज में वह तीन पारियों में केवल 11 रन ही बना सके थे। हालांकि उनकी खराब फॉर्म का भारतीय टीम पर असर नहीं पड़ा और श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम इंडिया ने सीरीज 3-0 से अपने नाम की। इस दोहरे शतक से भी बड़ी विस्फोटक पारी खेलकर अभिषेक शर्मा ने साफ संकेत दे दिया है कि उनका आत्मविश्वास बरकरार है। 91 गेंदों में 233 रन की यह पारी न सिर्फ उनकी शानदार बल्लेबाजी का उदाहरण है, बल्कि चयनकर्ताओं के लिए भी एक मजबूत संदेश है कि वह बड़े मंच पर वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। घरेलू क्रिकेट में उनके इस धमाकेदार प्रदर्शन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि जब उनका बल्ला चलता है तो बड़े से बड़े गेंदबाज भी बेबस नजर आते हैं।

उम्र नहीं, फिटनेस और रन देखते हैं

रोहित शर्मा-विराट के समर्थन में उतरे जहीर अब्बास, वर्ल्ड कप खेलने की जोरदार पैरवी

पाकिस्तानी दिग्गज बोले- रोहित और विराट जैसे खिलाड़ी बार-बार नहीं मिलते

2027 विश्व कप में भारत को होगी उनकी जरूरत

नई दिल्ली , एजेंसी

भारत के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली के 2027 वनडे विश्व कप में खेलने को लेकर लगातार चर्चा हो रही है। दोनों दिग्गज अगले विश्व कप तक क्रमशः 40 और 39 वर्ष के हो जाएंगे, लेकिन पाकिस्तान के महान बल्लेबाज जहीर अब्बास का मानना है कि उम्र नहीं, बल्कि खिलाड़ी की फिटनेस, फॉर्म और प्रदर्शन सबसे अहम होता है। उन्होंने साफ कहा कि अगर रोहित और विराट लगातार रन बना रहे हैं और पूरी तरह फिट हैं तो उन्हें विश्व कप टीम से बाहर रखने का कोई कारण नहीं है।

भारतीय टीम ने अब तक दो बार वनडे विश्व कप का खिताब जीता है। पहला खिताब 1983 में कपिल देव की कप्तानी में और दूसरा 2011 में महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में मिला था। 2023 विश्व कप में रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम

अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी बड़ी ताकत

100 से अधिक प्रथम श्रेणी शतक लगाने वाले पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज जहीर अब्बास ने एक पाकिस्तानी टीवी चैनल से बातचीत में रोहित शर्मा और विराट कोहली का खुलकर समर्थन किया। उन्होंने कहा कि किसी खिलाड़ी का चयन उसकी उम्र देखकर नहीं, बल्कि उसकी मौजूदा फॉर्म और फिटनेस के आधार पर होना चाहिए। अब्बास ने कहा, 卐अगर कोई खिलाड़ी फिट है, लगातार रन बना रहा है और टीम के लिए योगदान दे रहा है, तो उसकी उम्र मायने नहीं रखती। रोहित और विराट जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी किसी भी टीम के लिए बड़ी ताकत होती है।

अनुभव और कौशल का नहीं है कोई विकल्प

जहीर अब्बास का मानना है कि बड़े टूर्नामेंटों में अनुभव बेहद अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों के पास बड़े मैचों का विशाल अनुभव है और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता भी है। ऐसे खिलाड़ियों की मौजूदगी युवा क्रिकेटरों के लिए भी प्रेरणा का काम करती है।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

मोदी के खिलाफ गाली पर भड़कीं भूमि पेडनेकर, बोलीं-

विरोध करो, लेकिन मर्यादा मत भूलो अभद्र भाषा पर जताई कड़ी आपत्ति

जंतर-मंतर पर हुए सीजेपी के प्रदर्शन के बाद सोशल मीडिया पर वायरल हुए कुछ वीडियो को लेकर अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। वायरल वीडियो में कुछ युवाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए देखा गया। इस पर भूमि ने कहा कि लोकतांत्रिक आंदोलन का उद्देश्य व्यवस्था में सुधार लाना होना चाहिए, न कि गाली-गलौच के जरिए अपनी बात रखना।

रविवार को इंस्टाग्राम पर साझा किए गए वीडियो में भूमि ने कहा कि देश का हर नागरिक चाहता है कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार हो और जिन कमियों की वजह से छात्रों को नुकसान उठाना पड़ा, उन्हें दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि हाल की घटनाओं के बाद कुछ सकारात्मक कदम भी उठाए गए हैं। एंटी पेपर लीक कानून लागू हुआ है, फास्ट ट्रैक कोर्ट बने हैं और आने वाले समय में भी सुधार की उम्मीद है।

भूमि ने कहा कि वह आंदोलन की कई मांगों से सहमत हैं क्योंकि छात्रों ने अपनी जान गंवाई है और व्यवस्था में बदलाव जरूरी है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि आंदोलन में ऐसे ठोस और व्यवस्थित सुझाव कम नजर आए, जिनसे भविष्य में ऐसी घटनाओं को पूरी तरह रोका जा सके। उनके मुताबिक बायोमैट्रिक जैसी तकनीकों का बेहतर इस्तेमाल परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी बना सकता था।

तकनीक पर बहस होनी चाहिए थी

अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि प्रदर्शन खत्म होने के बाद शिक्षा सुधार, तकनीक और परीक्षा व्यवस्था में बदलाव पर गंभीर चर्चा होगी। लेकिन इसके बजाय सोशल मीडिया पर गाली-गलौच और व्यक्तिगत हमलों का दौर शुरू हो गया। उन्होंने कहा कि विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन उसकी अभिव्यक्ति सभ्य भाषा में होनी चाहिए। भूमि ने साफ कहा कि देश के प्रधानमंत्री या किसी भी व्यक्ति के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल भारतीय संस्कृति और सभ्यता के खिलाफ है।

सुरभि ने बताया मां बनने का अनुभव, बताया नॉर्मल डिलीवरी के लिए कैसे की थी तैयारी

कुबूल है और नागिन जैसे लोकप्रिय शोज से घर-घर में पहचान बनाने वाली सुरभि ज्योति हाल ही में मां बनी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी प्रेग्नेंसी और डिलीवरी से जुड़े अनुभवों को फैंस के साथ साझा किया। उन्होंने बताया कि किस तरह उन्होंने प्रेग्नेंसी के दौरान खुद को एक्टिव रखा और नॉर्मल डिलीवरी के लिए तैयारी की।

सुरभि ज्योति ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ बातचीत के लिए एक आस्क मी एनीथिंग सेशन रखा था। इस दौरान फैंस ने उनसे उनकी प्रेग्नेंसी, मां बनने के अनुभव और डिलीवरी को लेकर कई सवाल पूछे। इसी दौरान एक सात महीने की

प्रेग्नेंट महिला ने सुरभि से पूछा कि नॉर्मल डिलीवरी के लिए किस तरह की तैयारी करनी चाहिए। इसके जवाब में अभिनेत्री ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि उनके लिए कौन-सी चीजें मददगार साबित हुईं।

सुरभि ने कहा, प्रेग्नेंसी के दौरान खुद को सक्रिय रखना काफी जरूरी होता है। नियमित रूप से टहलना, स्ट्रेचिंग करना और हल्की एक्सरसाइज करना मेरे लिए फायदेमंद रहा। मैंने इस दौरान कोई मुश्किल वर्कआउट या भारी वजन उठाने वाली एक्सरसाइज नहीं की थी, बल्कि अपनी क्षमता के हिसाब से आसान गतिविधियों पर ध्यान दिया।वहीं एक अन्य फैन ने उनसे पूछा कि आज के समय में नॉर्मल डिलीवरी कैसे हो सकती है? इस पर अभिनेत्री ने कहा, नॉर्मल डिलीवरी आज भी पूरी तरह संभव है और इसे लेकर किसी तरह का डर रखने की जरूरत नहीं है। इसका समय या आज की जिंदगी से कोई संबंध नहीं होता। मेरे आसपास भी कई ऐसी महिलाएं हैं, जिनकी नॉर्मल डिलीवरी हुई है।

मेट्रो बाजार

देश की शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों का मार्केटकैप 2.51 लाख करोड़ बढ़ा

मुंबई। देश की शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ का बाजार मूल्यांकन बीते हफ्ते 2.51 लाख करोड़ रुपए बढ़ा है। इसकी वजह इक्विटी बाजार में मजबूत रैली थी। 27-31 जुलाई के कारोबारी सत्र में जिन कंपनियों के मार्केटकैप में बढ़ोतरी हुई है उनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, लाइफ कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) का नाम शामिल है। इस दौरान केवल हिंदुस्तान यूनिलीवर के ही मार्केट कैप में ही गिरावट आई। बीते सप्ताह देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में सबसे बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई। कंपनी का मार्केट कैप 80,345.97 करोड़ रुपए बढ़कर 7,10,817.51 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

यह तेजी कंपनी द्वारा वित्त वर्ष 2026-27 की जून तिमाही में समेकित कर-पश्चात लाभ में सालाना आधार पर 28 प्रतिशत वृद्धि दर्ज करने के बाद आई। इसके चलते शुक्रवार को कंपनी के शेयर 8 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुए। भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 44,959.50 करोड़ रुपए बढ़कर 12,30,005.63 करोड़ रुपए हो गया। वहीं, टीसीएस के मार्केट कैप में 40,414.03 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई और यह 8,55,894.78 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भी मजबूत बढ़त दर्ज की। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 39,447.35 करोड़ रुपए बढ़कर 17,69,108.79 करोड़ रुपए हो गया।

रिन्यूएबल एनर्जी बढ़ने से देश के पावर मिक्स में कोयले की घटी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। भारत के बिजली उत्पादन में जुलाई में कोयले की हिस्सेदारी गिरकर एक साल के सबसे निचले स्तर पर आ गई। इसकी वजह रिन्यूएबल एनर्जी का उत्पादन रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचना है। यह देश की बढ़ती क्लीन-एनर्जी क्षमता को दिखाता है। सरकारी आंकड़ों से पता चला है कि जुलाई में भारत के बिजली उत्पादन में रिन्यूएबल एनर्जी की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत थी। इस दौरान देश की बिजली खपत भी मजबूत बनी हुई थी। जुलाई में रिन्यूएबल बिजली का उत्पादन सालाना आधार पर 30 प्रतिशत बढ़कर 36.25 अरब किलोवाट-घंटे हो गया है, जो अब तक का सबसे अधिक मासिक उत्पादन है। वहीं, ग्रिड-इंडिया के प्रतिदिन डेटा के आधार पर जुलाई में देश के पावर मिक्स में कोयले का योगदान जून के 69 प्रतिशत से घटकर 65.7 प्रतिशत रह गया।

रिन्यूएबल एनर्जी उत्पादन में यह बढ़ोतरी सोलर और विंड पावर के तेजी से विस्तार के बीच हुई है। सरकारी आंकड़ों से पता चला है कि 13 जुलाई को सोलर और विंड एनर्जी से कुल बिजली उत्पादन पहली बार 100-गीगावाट के आंकड़े को पार कर गया और भारत की कुल बिजली जरूरत का रिकॉर्ड 42.8 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं स्रोतों से पूरा हुआ। जानकारों का कहना है कि सोलर पावर की बढ़ती भूमिका दिन के समय बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद कर रही है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) के विश्लेषक मनोज कुमार ने कहा, ÷बिजली की सबसे अधिक मांग दिन के समय होती है, जब सोलर पावर का योगदान अधिक होता है। कुल बिजली उत्पादन में कोयले की हिस्सेदारी कम होने के बावजूद, जुलाई में कोयले से चलने वाले प्लांट से बिजली उत्पादन सालाना आधार पर 12.8 प्रतिशत बढ़कर 119.40 बिलियन किलोवाट प्रति घंटा हो गया।

लोकसभा में संविधान संशोधन की हार को अब जीत में बदल पाएंगे मोदी-शाह?

दो-तिहाई बहुमत की शर्त के लिए क्या है भाजपा की रणनीति?

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

भारतीय संसद में साधारण विधेयक पारित कराना और संविधान संशोधन विधेयक पारित कराना दो बिल्कुल अलग राजनीतिक परीक्षाएँ हैं। साधारण बहुमत से सरकारें चल सकती हैं, लेकिन संविधान बदलने के लिए केवल सत्ता नहीं, बल्कि व्यापक राजनीतिक सहमति भी चाहिए। यही कारण है कि यदि कोई संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में अपेक्षित विशेष बहुमत नहीं जुटा पाता, तो वह केवल एक संसदीय हार नहीं, बल्कि सरकार की राजनीतिक क्षमता की भी परीक्षा बन जाता है। अब सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि यदि सरकार इस सत्र में ऐसा कोई संविधान संशोधन विधेयक दोबारा लाती है, तो क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पिछली हार को जीत में बदल पाएँगे? इस प्रश्न का उत्तर केवल राजनीति में नहीं, बल्कि संसदीय गणित में भी छिपा है।

संविधान के अनुच्छेद 368 के अनुसार किसी संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए दोहरी शर्त पूरी करनी होती है। पहली, सदन की कुल सदस्य संख्या का बहुमत और दूसरी, उपस्थित एवं मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई का समर्थन। यहीं से मोदी-शाह की पूरी रणनीति शुरू होती है। यदि सरकार के पास अपने सहयोगियों सहित लगभग 300 से अधिक सुनिश्चित वोट हैं, तो पहली संवैधानिक शर्त अपेक्षाकृत आसान हो जाती है। असली चुनौती दूसरी शर्त है। इसलिए राजनीतिक विश्लेषकों की नजर केवल इस बात पर नहीं है कि कौन सरकार के पक्ष में मतदान करेगा, बल्कि इस पर भी है कि मतदान के समय कौन-कौन सदन में उपस्थित रहेगा और कौन अनुपस्थित।

यही कारण है कि संसद के गलियारों में इन दिनों 'फ्लोर मैनेजमेंट' की चर्चा सबसे अधिक सुनाई दे रही है। सत्ता पक्ष के रणनीतिकार केवल समर्थन जुटाने तक सीमित नहीं रहते, बल्कि यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं कि विरोधी खेमे की संख्या मतदान के समय न्यूनतम रहे। संसदीय इतिहास में ऐसे कई अवसर आए हैं, जब किसी दल ने विधेयक का खुला समर्थन करने के बजाय मतदान से दूरी बनाकर अप्रत्यक्ष रूप से उसका रास्ता आसान किया। यदि कुछ क्षेत्रीय दल समर्थन देने के बजाय मतदान से अनुपस्थित रहते हैं, तो उपस्थित एवं मतदान करने वाले सदस्यों की कुल संख्या घट जाती है। इससे दो-तिहाई बहुमत का आवश्यक आँकड़ा भी कम हो जाता है। यही वह संवैधानिक गणित है, जिस पर किसी भी सरकार की संसदीय रणनीति आधारित हो सकती है।

हालाँकि केवल अनुपस्थिति से बात नहीं बनेगी। यदि सरकार को अपेक्षित संख्या नहीं मिलती, तो उसे कुछ विपक्षी दलों या क्षेत्रीय दलों का प्रत्यक्ष समर्थन भी हासिल करना होगा। इसलिए आने वाले दिनों में संसद के बाहर जितनी राजनीतिक बयानबाजी दिखाई देगी, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण बंद कमरों में होने वाली बातचीत होगी।

दूसरा बड़ा मोर्चा राजनीतिक समझौते का है। यदि विपक्ष की कुछ प्रमुख आपत्तियों को स्वीकार करते हुए विधेयक में संशोधन किया जाता है, तो सरकार के लिए समर्थन जुटाना अपेक्षाकृत आसान हो सकता है। कई बार किसी विधेयक का मूल उद्देश्य नहीं, बल्कि उसके कुछ विवादित प्रावधान ही सर्वसम्मति में बाधा बनते हैं। मोदी और शाह की राजनीतिक शैली को देखें तो दोनों चुनावी रणनीति के साथ-साथ संसदीय प्रबंधन में भी दक्ष माने जाते हैं। पिछले एक दशक में अनेक अवसरों पर उन्होंने संख्या बल की सीमाओं के बावजूद विभिन्न दलों का सहयोग प्राप्त कर महत्वपूर्ण विधेयक पारित कराए हैं। इसलिए यह मान लेना कि सरकार पिछली स्थिति को दोहरा ही देगी, जल्दबाजी होगी। दूसरी ओर यह मान लेना भी उचित नहीं होगा कि केवल राजनीतिक कौशल से संविधान संशोधन का रास्ता स्वत: खुल जाएगा। आखिरकार संविधान संशोधन का अंतिम निर्णय सदन के मतदान से ही तय होता है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक और महत्वपूर्ण पहलू है। यदि सरकार वास्तव में ऐसा कोई विधेयक दोबारा लाती है, तो विपक्ष के सामने भी चुनौती होगी। क्या वह पहले की तरह एकजुट रहेगा या कुछ दल अपने क्षेत्रीय हितों और राष्ट्रीय राजनीति के बीच अलग रास्ता चुनेंगे? यही प्रश्न अंतिम परिणाम तय कर सकता है।

अंतत: यह एक विधेयक का परीक्षण नहीं होगा। यह सरकार की संसदीय प्रबंधन क्षमता, विपक्ष की एकजुटता और भारतीय लोकतंत्र में सहमति की राजनीति, तीनों की परीक्षा बन सकता है। यदि मोदी-शाह आवश्यक विशेष बहुमत जुटाने में सफल होते हैं, तो इसे उनकी बड़ी संसदीय जीत माना जाएगा। लेकिन यदि दो-तिहाई का आँकड़ा फिर दूर रह जाता है, तो यह स्पष्ट संकेत होगा कि संविधान संशोधन केवल राजनीतिक इच्छाशक्ति से नहीं, बल्कि व्यापक राष्ट्रीय सहमति से ही संभव होता है। इसलिए आने वाले दिनों में असली मुकाबला सदन के भीतर भाषणों का नहीं, बल्कि अंकों का होगा। भारतीय राजनीति की नजर अब इसी संसदीय गणित पर टिकी रहेगी कि क्या मोदी-शाह इस बार हार को जीत में बदल पाते हैं या नहीं।

320 सदस्य ही दो तिहाई के बराबर हो जाएं

यदि सरकार के पक्ष में लगभग 320 वोट सुनिश्चित हो जाते हैं, तो संसदीय गणित के अनुसार केवल इतना पर्याप्त नहीं होगा। अनुच्छेद 368 के तहत आवश्यक दो-तिहाई बहुमत प्राप्त करने के लिए या तो सरकार को कुछ और सांसदों का प्रत्यक्ष समर्थन जुटाना होगा, अथवा मतदान के समय सदन में उपस्थित एवं मतदान करने वाले सदस्यों की कुल संख्या इतनी कम होनी चाहिए कि 320 वोट ही दो-तिहाई के बराबर हो जाएँ। यानी लगभग 480 या उससे कम। ऐसी स्थिति में सरकार की रणनीति तीन स्तरों पर केंद्रित हो सकती है-

1 कुछ क्षेत्रीय दलों या विपक्षी सांसदों का प्रत्यक्ष समर्थन प्राप्त करना।
2 कुछ दलों द्वारा मतदान में भाग न लेने या सदन से वॉकआउट करने जैसी परिस्थितियाँ बनना, जिससे कुल मतदान संख्या घटे।
3 विधेयक के विवादित प्रावधानों पर राजनीतिक सहमति बनाकर समर्थन का दायरा बढ़ाना।

संभावित गणित और उसका असर

अतिरिक्त प्रत्यक्ष समर्थन (यदि टीएमसी के 22 सांसद पक्ष में मतदान करें): 22 वोट संभावित अनुपस्थिति (DMK 22 + JMM 3 + YSRCP 4 + BJD 1): 30 सांसद यदि ये सभी सांसद मतदान से दूर रहते हैं, तो 'उपस्थित एवं मतदान करने वाले' सदस्यों की कुल संख्या घटेगी, जिससे दो-तिहाई बहुमत का आवश्यक आंकड़ा भी कम होगा। इसके बावजूद, सरकार को विशेष बहुमत सुनिश्चित करने के लिए या तो अतिरिक्त समर्थन जुटाना होगा या फिर विपक्ष के और सांसदों की अनुपस्थिति सुनिश्चित करनी होगी। अंतिम गणित मतदान के दिन उपस्थित एवं मतदान करने वाले सदस्यों की वास्तविक संख्या से तय होगा।

महाकाल से लेकर काशी विश्वनाथ और बाबा बैद्यनाथ धाम तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा देश, सावन के पहले सोमवार शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

नई दिल्ली. एजेंसी

सावन का पहला सोमवार होने के कारण आज सुबह से ही शिव मंदिरों में भक्तों का तांता लगा हुआ है। सुबह से ही शिवालयों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा हैं। मंदिरों में हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारे गूंज रहे हैं। उज्जैन के महाकाल मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर, देवघर बाबा धाम समेत देश के कोने-कोने में आस्था के इस उत्सव की तस्वीरें देखने को मिल रही हैं।

रात ढाई बजे खुला महाकालेश्वर का पट

दूधेश्वर नाथ मंदिर में लगी लंबी कतारें

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित दूधेश्वर नाथ मंदिर में भी सुबह से भक्तों की लंबी कतारें लगी हैं। श्रद्धालु भगवान शिव का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना कर रहे हैं। भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। सावन के पहले सोमवार पर देशभर के शिव मंदिरों में उमड़ी भीड़ ने माहौल को पूरी तरह शिवमय बना दिया है।

उज्जैन के महाकालेश्वर मन्दिर में दर्शन के लिए श्रद्धालु देर रात से ही कतार में लगे हुए हैं। रात्रि ढाई बजे मंदिर के पट खोले गए। इसके बाद तीन बजे बाबा महाकाल की भस्म आरती शुरू हुई। भस्म आरती के पहले बाबा को जल से नहलाकर महा पंचामृत अभिषेक किया गया जिसमे दूध, दही ,घी, शहद व फलों के रसों से अभिषेक हुआ। अभिषेक के बाद भांग और चन्दन से भोलेनाथ का आकर्षक श्रंगार किया गया और भगवान को वस्त्र धारण कराये गए। तत्पश्चात बाबा को भस्म चढाई गई। भस्मिभूत होने के बाद झांझ-मंजीरे, ढोल-नगाड़े व शंखनाद के साथ बाबा की भस्म आरती की गई। भक्त आज के दिन का विशेष इंतजार करते हे इसलिए आज महाकाल के दरबार में सुबह से ही उत्साह और आनंद का माहौल है। सोमवार को बाबा महाकाल की सवारी निकाले जाने की भी परंपरा है। इसलिए आज शाम को बाबा की सवारी भी निकाली जाएगी । मान्यता है कि अपनी प्रजा का हाल जानने के लिए सवारी के रूप में राजा महाकाल नगर भ्रमण पर निकलते हैं। यहां बाबा की सवारी के दर्शन के लिए लाखों की संख्या में श्रद्धालु सड़तों के किनारे घंटो इन्तजार करते हैं और महाकाल की एक झलक पा कर अपने आप को धन्य मानते हैं।

काशी विश्वनाथ में पुष्पवर्षा से स्वागत

वाराणसी के काशी विश्वनाथ धाम में भी सावन के पहले सोमवार पर भारी भीड़ देखने को मिली। जलाभिषेक के लिए दूर-दूर से पहुंचे कांवड़ियों और श्रद्धालुओं का मंदिर प्रशासन ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। मंगला आरती के बाद से ही जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं का तांता लग गया, मंदिर में प्रवेश के लिए दोनों ओर से कतारें लगीं। मैदागिन से चौक होते हुए गेट नंबर 4 सिल्को गली और गेट नंबर 4-ए के रास्ते, वहीं गोदौलिया से ढूंढीराज गेट नंबर 1 और नन्नू फरिया लेन से भक्त लगातार मंदिर परिसर में पहुंच रहे हैं, भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा के लिए पुलिस अलर्ट मोड में रही।

देवघर में भी उमड़े श्रद्धालु

झारखंड के देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम में भी सावन के पहले सोमवार को जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी हैं। सुल्तानगंज से गंगा जल लेकर करीब 100 किमी की दूरी पैदल तय करके कांवड़िए बाबा बैद्यनाथ में जलाभिषेक करते हैं।

पाकिस्तान: अब तक 19 लोगों की मौत

अमन के नारे लगा रहे थे लोग, तभी हुआ धमाका, सड़क पर बिछ गईं लाशें

इस्लामाबाद. एजेंसी

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के स्वात जिले में शांति रैली के दौरान बड़ा धमाका हो गया। इस धमाके में कम से कम 19 लोगों की मौत होने का मामला सामने आया है। इस विस्फोट में शुरुआती जानकारी के मुताबिक करीब 20 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। धमाका उस समय हुआ, जब इलाके में पीस काउंसिल और शांति मार्च चल रहा था।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, धमाका कब्बल चौक के पास हुआ, जहां बड़ी संख्या में लोग शांति रैली में शामिल थे। कुछ रिपोर्टों में इसे आत्मघाती हमला बताया गया है। हालांकि अधिकारियों ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। धमाके के बाद मची अफरा-तफरी विस्फोट के तुरंत बाद इलाके में भगदड़ मच गई। पुलिस, सेना और बचाव दल मौके पर पहुंचे। पूरे इलाके को घेर लिया गया और घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। सुरक्षा एजेंसियों ने आसपास तलाशी अभियान भी शुरू कर दिया है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं और विस्फोटक तो नहीं लगाए गए थे। जिस रैली पर हमला हुआ, वह अमन जिरगा के तहत की गई थी। इसमें स्थानीय लोग और कबायली बुजुर्ग आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर शांति का संदेश दे रहे थे।

अगस्त तक के ऑनलाइन स्लॉट 2 घंटे में फुल

किन्नौर कैलाश यात्रा के लिए 960 श्रद्धालु रवाना

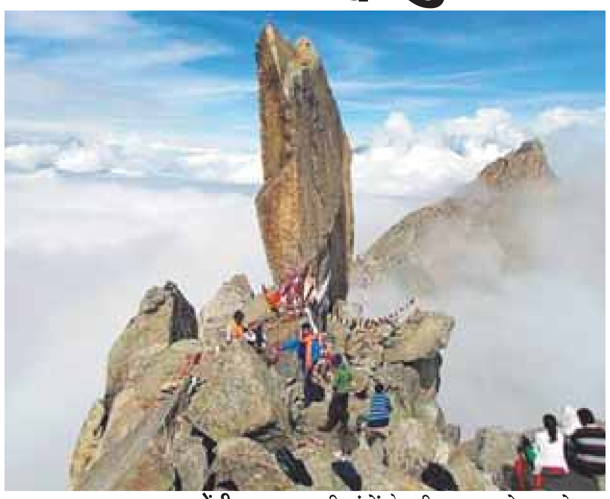

रामपुर बुशहर. एजेंसी

किन्नौर कैलाश यात्रा इस वर्ष श्रद्धालुओं के बीच खासी लोकप्रिय साबित हो रही है। यात्रा के आधिकारिक रूप से 30 जुलाई को शुरू होने के बाद से अब तक चार दिनों में 960 से अधिक श्रद्धालु पवित्र कैलाश के दर्शन के लिए रवाना हो चुके हैं। रविवार को ही 352 श्रद्धालुओं ने तंगलिंग बेस कैंप से इस पैदल यात्रा की शुरुआत की।

यात्रा के लिए ऑनलाइन स्लॉटों की मांग का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 4 अगस्त तक के सभी स्लॉट 28 जुलाई को पोर्टल खुलने के कुछ ही घंटों के भीतर बुक हो गए थे। प्रशासन द्वारा 5 अगस्त से 10 अगस्त तक के लिए ऑनलाइन पंजीकरण के स्लॉट रविवार को फिर से खोले गए, लेकिन महज ढाई घंटे में ही सभी स्लॉट भर गए। प्रतिदिन 175 ऑनलाइन स्लॉट बुक किए जा रहे हैं। जिन श्रद्धालुओं के ऑनलाइन स्लॉट बुक नहीं हो पाए हैं, वे अब तंगलिंग बेस कैंप में ऑफलाइन पंजीकरण कराकर यात्रा पर जा सकते हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यात्रा में शामिल होने के लिए पंजीकरण अनिवार्य है। पंजीकरण के बाद तंगलिंग बेस कैंप से टोकन लेना भी आवश्यक है।

जैश के निशाने पर बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी सुरक्षा बढ़ाई, पूरा सुरक्षा प्रोटोकॉल भी बदला गया

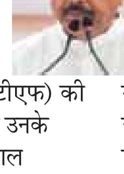

कोलकाता. एजेंसी। पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से कथित खतरे के इनपुट के बाद पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी की सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। खुफिया एजेंसियों और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की जांच के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने उनके लिए बुलेटप्रूफ वाहन का इस्तेमाल अनिवार्य कर दिया है। अधिकारियों का मानना है कि मौजूदा परिस्थितियों में किसी भी तरह का जोखिम नहीं लिया जा सकता। एसटीएफ ने इस मामले में पूर्व बर्धमान जिले से हमीम मंडल को गिरफ्तार किया है, जबकि उसकी कथित सहयोगी अर्पिता सरकार को भी हिरासत में लिया गया है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, शुरुआती पड़ताल में दोनों के संबंध पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और शहजाद भट्टी नेटवर्क से जुड़े होने के संकेत मिले हैं। पुलिस का दावा है कि आरोपियों के पास से शुभेंदु अधिकारी के दैनिक कार्यक्रम और यात्रा मार्ग से जुड़ी संवेदनशील जानकारी बरामद हुई है। फिलहाल जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि यह जानकारी आरोपियों तक कैसे पहुंची और इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क सक्रिय था या नहीं।

[illegible]

गाजियाबाद. एजेंसी। 10वीं कक्षा की छात्रा को गाजियाबाद के मसूरी थाने के पास से अगवा कर दो आरोपियों ने चलती कार में उसके साथ दुष्कर्म किया। किशोरी को कार में लेकर आरोपी करीब सात घंटे तक शहर की सड़कों पर घूमते रहे। देर रात उसे बदहवास हालत में एनएच-9 के किनारे फेंककर फरार हो गए। पीड़िता अगले दिन घर पहुंची। मां की शिकायत पर पुलिस ने पॉक्सो, सामूहिक दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर दोनों आरोपियों मुजाहिद (45) व सलीम अख्तर (48) को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि आजमपुर दहपा गांव निवासी दोनों आरोपी दोस्त हैं।

मेट्रो एंकर

तिरुचिरापल्ली में किसानों ने सिंचाई के लिए पानी छोड़ने की मांग उठाई

कावेरी के पानी के लिए किसानों ने खुद को रेत में दबाकर किया प्रदर्शन

चेन्नई. एजेंसी

कावेरी नदी के पानी को लेकर तमिलनाडु में किसानों का गुस्सा एक बार फिर सड़कों पर दिखाई दिया। तिरुचिरापल्ली में किसान संघ के नेता अय्या कन्नू के नेतृत्व में किसानों ने कावेरी नदी के किनारे रेत में खुद को दबाकर अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने आरोप लगाया कि बार-बार मांग करने के बावजूद कर्नाटक सरकार तमिलनाडु के हिस्से का पानी नहीं छोड़ रही है, जिससे कुरुवई फसल पर संकट मंडरा रहा है।

प्रदर्शन के दौरान अय्या कन्नू ने कहा कि कर्नाटक तमिलनाडु के साथ भेदभाव कर रहा है और निर्धारित हिस्से के बजाय केवल बचा हुआ पानी छोड़ा जा रहा है। उन्होंने तमिलनाडु सरकार से सुप्रीम कोर्ट का रुख करने और कर्नाटक से एक लाख करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग करने की अपील की। कन्नू ने दावा किया कि

सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक को हर महीने तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ने का निर्देश दिया है, लेकिन इसका पालन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने मेकेदातु बैलेंसिंग रिजवॉयर परियोजना का भी विरोध जताते हुए कहा कि इससे तमिलनाडु में पानी की उपलब्धता और कम हो जाएगी। इस बीच, भाजपा ने भी राज्य सरकार पर किसानों के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। कावेरी जल विवाद कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच दशकों पुराना है, जो हर साल मानसून के दौरान फिर से चर्चा में आ जाता है।

पानी छोड़ने की मांग की

तिरुचिरापल्ली में किसानों ने सिंचाई के लिए कावेरी का पानी छोड़ने की मांग को लेकर अनोखा प्रदर्शन किया। किसान नदी किनारे रेत में खुद को दबाकर सरकार का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने की कोशिश करते नजर आए। किसान नेता अय्या कन्नू ने कहा कि कुरुवई फसल को बचाने के लिए पानी की तत्काल जरूरत है, लेकिन बार-बार अपील के बावजूद कर्नाटक सरकार पर्याप्त पानी नहीं छोड़ रही है। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। कावेरी जल विवाद कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच कई दशकों से चला आ रहा है। विवाद का मुख्य मुद्दा कम बारिश वाले वर्षों में नदी के पानी के बंटवारे को लेकर है। सुप्रीम कोर्ट पहले भी कर्नाटक को तमिलनाडु के हिस्से का पानी छोड़ने के निर्देश दे चुका है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564